E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 34 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, सोमवार 17 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

वंदे मातरम् को लेकर तेजी से बढ़ रहा विवाद, इसी कड़ी में अमित शाह ने भी साधा कांग्रेस पर तीखा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस के कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के बाद वंदे मातरम् को लेकर विवाद तेज होता जा रहा है। इसी मुद्दों पर अब बीजेपी लगातार कांग्रेस पर निशाना साधा रही है। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले को लेकर कांग्रेस को घेरा है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में एक कार्यक्रम के समय कहा है कि कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। अमित शाह ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस ने राजनीतिक फायदे के लिए वंदे मातरम् को पीछे कर दिया था। उन्होंने सोनिया गांधी पर भी सवाल खड़े किए हैं, उनका कहना है कि देश के करोड़ों लोगों की भावनाएं सी ही गीत से जुड़ी हुई हैं। इसका पूरा सम्मान होना चाहिए। अमित शाह कहा कहना है कि कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम् चल रहा था और उस दौरान सोनिया गांधी ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तरफ कुछ इशारा किया था। अमित शाह ने दावा किया है कि वंदे मातरम् देश की आजादी की लड़ाई से जुड़ा हुआ गीत है। इसको लेकर किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अमित शाह ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि पार्टी ने वोट पाने के लिए वंदे मातरम् को महत्व नहीं दिया है।

हेमंत सोरेन सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों को भेजा न्योता, स्टेट गेस्ट हाउस में तीसरे दौर की होगी बैठक

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में JPSC और JSSC CGL परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं। इसको लेकर सरकार और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच बातचीत जारी है। इसी क्रम में प्रदर्शन के 23वें दिन सरकार की तरफ से छात्रों को वार्ता के लिए बुलावा मिला है। यह मुलाकात सोमवार को स्टेट गेस्ट हाउस में होने वाली है। इस मीटिंग को लेकर सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सरकार और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच में सोमवार 2 बजे होने वाली है। इसमें सरकार और छात्रों की तरफ से बनाए गए प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। हर बैठक में सरकार की कोशिश होती है कि इस आंदोलन को जल्द से जल्द खत्म किया जाए। इसलिए लगातार बैठकों का दौर जारी है। राज्य की हेमंत सोरेन सरकार से मिले इस बातचीत के न्योते को छात्रों ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि इस मीटिंग में उनके बनाए गए डेलीगेशन के साथ लीगल एक्सपर्ट्स भी शामिल होंगे। उनके इस फैसले को लेकर माना जा रहा है कि परीक्षाओं में हुए कथित अनियमितताओं और छात्रों से जुड़ी मांगों पर कानूनी पहलुओं पर चर्चा होने वाली है। सोमवार को होने वाली वार्ता से पहले 9 अगस्त को हुई थी। हालांकि, इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्र और सरकार के बीच में कोई ठोस समाधान नहीं निकला था। इसके बाद छात्रों ने प्रदर्शन जारी रखने का फैसला लिया था। अब यह तीसरे दौर की बातचीत होने जा रही है। जिसके लिए छात्रों को सरकार की तरफ से न्योता मिला है। प्रदर्शनकारी छात्रों की प्रमुख मांगों में JPSC और JSSC CGL परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई शामिल है। छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर स्पष्ट और ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। सोमवार को होने वाली बैठक को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पिछली वार्ता में सहमति नहीं बन सकी थी। इस बार छात्र अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ कानूनी विशेषज्ञों को भी लेकर पहुंचेंगे। ऐसे में परीक्षा से जुड़े नियमों, प्रक्रिया और कथित गड़बड़ियों के कानूनी पहलुओं पर भी चर्चा होने की संभावना है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि वे सरकार के साथ बातचीत के जरिए समाधान निकालना चाहते हैं, लेकिन उनकी मांगों पर केवल आश्वासन से बात नहीं बनेगी। छात्रों की कोशिश है कि बैठक में उनकी सभी मांगों पर स्पष्ट जवाब मिले और आगे की कार्रवाई को लेकर समयबद्ध निर्णय लिया जाए। वहीं, सरकार की ओर से भी लगातार बातचीत के जरिए आंदोलन को समाप्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। 23 दिनों से चल रहे प्रदर्शन के कारण छात्रों और प्रशासन के बीच यह मुद्दा लगातार चर्चा में बना हुआ है। अब सभी की नजर सोमवार को स्टेट गेस्ट हाउस में होने वाली बैठक पर टिकी है। यदि इस वार्ता में दोनों पक्ष किसी ठोस समाधान पर पहुंचते हैं तो लंबे समय से चल रहे छात्र आंदोलन के समाप्त होने का रास्ता साफ हो सकता है। हालांकि, अगर छात्रों की मांगों पर सहमति नहीं बनती है, तो आंदोलन आगे भी जारी रहने की संभावना है। सोमवार की बैठक इसलिए JPSC और JSSC CGL से जुड़े विवाद के समाधान की दिशा में एक अहम पड़ाव मानी जा रही है।

100 से अधिक चोरी की वारदातों वाली अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश, 650 किमी पीछा कर 5 आरोपी गिरफ्तार

नागौर। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागौर आशा राम चौधरी के निर्देशन में खींवसर थाना पुलिस ने राजस्थान व मध्य प्रदेश में नकबजनी और चोरी की 100 से अधिक वारदातों को अंजाम देने वाली सबसे बड़ी अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश किया है। वृत्ताधिकारी जतिन जैन आईपीएस के सुपरविजन तथा खींवसर थानाधिकारी सुरेश कुमार बिजारणियां की टीम ने लगातार 7 दिनों तक 650 किलोमीटर पीछा कर भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर से 5 शातिर आरोपियों को 18 चक्के के विशालकाय ट्रेलर सहित गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चौधरी ने बताया कि चित्तौड़गढ़ जिले का यह गिरोह पिछले 5 वर्षों से सक्रिय था और बीते 2 वर्षों में राजस्थान के नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, फलौदी, डीडवाना-कुचामन, बीकानेर व जयपुर में 100 से अधिक चोरियों को अंजाम दे चुका है। गिरोह अब तक 10 करोड़ रुपये से अधिक के जेवरात व नकदी चोरी कर चुका है। नागौर जिले में ही करीब 2 करोड़ रुपये मूल्य की 12 बड़ी चोरियों का खुलासा हुआ है, जिनमें जिन्दास और पालड़ी पिचकियां की प्रसिद्ध चोरियां भी शामिल हैं। गिरोह चोरी के लिए 18 चक्के का ट्रेलर लेकर निकलता था। गांव के बाहर ट्रेलर खड़ा कर 5 में से 1 सदस्य ट्रेलर में रहता, 1 सदस्य पहरेदारी करता तथा 3 सदस्य घरों के ताले, खिड़की व दीवार तोड़कर चोरी करते थे। इसके साथ ही गैंग का कोई भी सदस्य चोरी के वक्त मोबाइल साथ नहीं रखता था।

सीएम विजय ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री की कड़ी अलोचना की, तमिल समुदाय से जुड़ा है मामला

चेन्नई। कर्नाटक में हुई मुठभेड़ की घटना पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की कड़ी आलोचना की है और मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने की अपील की है। उन्होंने यह बयान कर्नाटक के चामराजनगर जिले में वन विभाग के तीन अधिकारियों की मौत के बाद दिया है। बताया जा रहा है कि ये तीन कर्मचारी तमिल समुदाय के है। तमिलनाडु सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना की निंदा करते हुए कहा, 'यह बहुत ही दुखद और दिल दहलाने वाली घटना है कि कर्नाटक के चामराजनगर जिले के हनूर तालुक के गांवों में रहने वाले तमिल समुदाय के एंथनी सामी, जॉन रोज पीटर और कुमार की शनिवार (15 अगस्त, 2026) को तड़के कावेरी वन्यजीव अभयारण्य के इलाके में कर्नाटक वन विभाग के अधिकारियों की ओर से गोली मारकर हत्या कर दी गई।' सीएम विजय आगे कहते हैं, 'मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं। इस घटना को लेकर कर्नाटक वन विभाग की तरफ से दी गई सफाई बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। इस बर्बरता से भरी घटना की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए।' सीएम सी. जोसेफ विजय ने इस मामले की जांच कमेट के गठन को लेकर कहा, 'इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया जाना चाहिए और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को उचित सजा दी जानी चाहिए। इसके अलावा, कर्नाटक सरकार को पीड़ितों के परिवारों को हर संभव जरूरी मदद उपलब्ध करानी चाहिए।' उन्होंने आगे बताया, 'मैं कर्नाटक सरकार से पुरजोर अनुरोध करता हूं कि भविष्य में कभी भी ऐसी कोई घटना दोबारा घटित न हो, यह सुनिश्चित किए जाने के लिए भी उचित और मजबूत कदम उठाए जाएं।'

देवेंद्र नाथ महतो की बिगड़ी तबीयत! जानें डॉक्टर ने क्या कहा?

रांची। झारखंड में सरकारी नौकरी की परीक्षाओं को लेकर छात्रों का विरोध अब भी थमा नहीं है, छात्र जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में गड़बड़ी के आरोपों की जांच और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में बड़ी संख्या में छात्र जमा हैं। काफी समय से देवेंद्र नाथ महतो भूख हड़ताल पर बैठे हैं और उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया था। डॉक्टर भी उनकी जांच लगातार कर रहे हैं, जांच में शरीर में पानी की कमी सामने आई है। इस वजह से ही कमजोरी और चक्कर जैसी परेशानी भी देखने को मिल रही है। डॉक्टर हाफिज अली ने बताया है कि देवेंद्र नाथ महतो का ब्लड प्रेशर लिक्विड खाना देने के बाद कुछ ठीक रहता है। जब उन्हें लिक्विड देना बंद किया जाता है, तो उनका बीपी फिर नीचे जाने लगता है। डॉक्टर ने इसे चिंता की बात बताया है। डॉक्टर के मुताबिक, जांच में देवेंद्र के शरीर में पानी की कमी पाई गई है।

पीएम मोदी के दिमागी नक्सल वाले बयान पर सियासत तेज, किरेन रिजिजू ने बताया- कौन है दिमागी नक्सल?

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण में दिमागी नक्सल का जिक्र किया है, जिसके बाद राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। विपक्ष की तरफ से इस बयान पर कई सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इसी बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस मामले पर सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री के विपक्ष के नेताओं को दिमागी नक्सल नहीं कहा था। उनके मुताबिक, यह शब्द उन लोगों के लिए इस्तेमाल किया गया था जो माओवादियों, अलगाववादियों और भारत को बांटने वाली सोच का समर्थन करते हैं। रिजिजू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अपनी बात रखी है और बताया है कि पीएम मोदी का निशाना किसी भी खास राजनीतिक दल या नेता नहीं थे। किरेन रिजिजू ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को दिमागी नक्सल नहीं बताया है। रिजिजू के अनुसार, यह नाम उन लोगों के लिए इस्तेमाल किया गया जो माओवादियों का साथ देते हैं, संविधान को नहीं मानते या अलगाव की बात करने वालों के समर्थन में खड़े होते हैं, चिकन नेक को काटने की बात करते हैं। रिजिजू ने एक दूसरी पोस्ट में शरजील इमाम से जुड़ा एक वीडियो भी शेयर किया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री का बयान ऐसे लोगों और उनके विचारों के संदर्भ में था। शरजील इमाम को दिल्ली में हुए दंगों के मामले में 2020 में गिरफ्तार किया गया था। रिजिजू ने इसी उदाहरण के जरिए अपनी बात समझाने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से देश को संबोधित किया था। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने हथियार उठाने वाले नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। उन्होंने साथ ही कहा कि केवल हथियार उठाने वाली हिंसा ही चिंता की बात नहीं है। उनके मुताबिक, ऐसी सोच भी चुनौती है जो समाज में तनाव और हिंसा बढ़ाने की कोशिश करती है। प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद 'दिमागी नक्सल' शब्द को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई। विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इस शब्द के जरिए किन लोगों और विचारधाराओं की ओर संकेत किया गया था। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री का आशय किसी पार्टी, सांसद या विपक्ष के किसी नेता से नहीं था। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता के खिलाफ काम करने वाली विचारधाराओं तथा हिंसा और अलगाववाद का समर्थन करने वालों के संदर्भ में यह बात कही गई थी। रिजिजू ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री के भाषण के संदर्भ को सामने रखते हुए कहा कि देश में हथियारबंद नक्सली हिंसा के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ उन विचारों से भी सावधान रहने की जरूरत है, जो समाज में विभाजन या हिंसा को बढ़ावा देते हैं।

प्रताड़ना और मानसिक दबाव... झूठे आरोप... टीएमसी नेता की खुदकुशी पर ममता बनर्जी ने किस तरफ किया इशारा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता आशीष बनर्जी का शव मिला है। उनका शव बीरभूम जिले में पार्टी कार्यालय में फंदे पर लटका मिला है। इससे इलाके में सनसनी फैल गई है। वह ममता बनर्जी के करीबी बताए जा रहे हैं। इस मामले में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने इस दौरान इशारों में भाजपा को घेरा है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स कहा कि इस घटना को बेहद दुखद और दर्दनाक बताया है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपने आखिरी दिनों में कितना ज्यादा मानसिक और भावनात्मक तनाव झेलना पड़ा होगा। उन्होंने कहा, 'आशीष बनर्जी के निधन से मुझे गहरा दुख पहुंचा। उन्होंने अपना ज्यादातर जीवन लगन से पढ़ाने और समाज की सेवा करने में बिताया। वे हमेशा अपने विनम्र स्वभाव और रामपुरहाट व बीरभूम के लोगों के साथ अपने करीबी रिश्तों के लिए जाने जाते थे।' बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बताया, '5 बार विधायक, पूर्व डिप्टी स्पीकर और चेयरमैन रहे आशीष दा ने रामपुरहाट के विकास के लिए खुद को समर्पित कर दिया था और लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण काम किए थे। इतने काम करने के बावजूद, उन्हें बार-बार बदनाम किया गया, उन पर झूठे आरोप लगाए गए और लगातार दबाव डाला गया।' टीएमसी प्रमुख ने बताया, 'जन-सेवा के इतने लंबे रिकॉर्ड के बावजूद उन्हें जिस तरह की प्रताड़ना और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ा, वह हम सभी को सोचने पर मजबूर करता है कि लगातार राजनीतिक दुश्मनी की मानवीय कीमत क्या होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनके परिवार, चाहने वालों, पूर्व छात्रों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं। उनकी कमी हमेशा बहुत खलेगी।' आशीष बनर्जी का शव पार्टी कार्यालय में फंदे से लटका मिलने की सूचना के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। फिलहाल मौत की परिस्थितियों को लेकर पुलिस की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद कई अहम सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद है।

यूक्रेन का रूस पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला, धू-धू कर जली मिसाइल फैक्ट्री

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच यूक्रेन ने रविवार (16 अगस्त) को रूस पर अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले को अंजाम दिया। इस हमले में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि यह यूक्रेन का रूस पर अब तक का सबसे बड़ा पलटवार है। सोशल मीडिया पर मौजूद तस्वीरों के मुताबिक, पोडोलस्क स्थित बाइलबेरीज के गोदाम पर यूक्रेन ने अटैक किया है। इस हमले के बाद आसमान में काले घुंए का गुबार उठता नजर आ रहा है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने रातभर में 822 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट कर दिए हैं। इधर, रूस ने रात भर (15-16 अगस्त) यूक्रेन पर कई हवाई हमले किए हैं। इसमें एक स्टील प्लांट में दो लोगों की मौत हो गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा, 'हाल के हमलों में उसने पूरे देश में यूक्रेन के 822 ड्रोन गिराए हैं।'

पहलगाम के हमले को लेकर सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का बड़ा खुलासा, बताया क्या था पूरा प्लान

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए बड़ी कार्रवाई की थी। इस अभियान की तैयारी और सोच को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कई अहम बातें बताई हैं। उन्होंने बताया है कि हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तुरंत अपना विदेश दौरा छोड़कर भारत आ गए थे। वापस आते ही उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की थी और पीएम मोदी ने सबसे पहले यह जानना चाहा था कि हमला किसने किया और इसके पीछे कौन लोग हैं। अजीत डोभाल के मुताबिक, जांच के बाद हमले में शामिल लोगों की पहचान की गई है और इसके बाद आगे की कार्रवाई की योजना बनाई गई थी। अजीत डोभाल ने बताया है कि पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी सऊदी अरब से अपना दौरा बीच में छोड़कर भारत लौटे थे। भारत पहुंचने के बाद उन्होंने एयरपोर्ट पर ही बैठक की थी और इस दौरान उन्होंने सबसे पहले पूछा कि हमला किसने किया है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि उन्हें इस मामले की पूरी जानकारी जल्द चाहिए और वह हमले से जुड़ी हर जरूरी बात जानना चाहते थे। इसके बाद भारत ने तय किया कि कार्रवाई केवल आतंकियों तक सीमित नहीं रहेगी।

संपादकीय

देश के विकास में शिक्षा और शिक्षकों का योगदान महत्त्वपूर्ण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजेश यादव ने शनिवार को प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा शिक्षा और शिक्षक ऐसे दो स्तंभ हैं, जो किसी भी देश को महान बनाते हैं। उन्होंने कहा कि 80 सालों में देश के विकास में इन दोनों स्तंभों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के प्रति प्रदेशवासियों की अपार उम्मीदें हैं। प्रत्येक कार्मिक को अपने कर्तव्यों को पूर्ण लगन, तत्परता और ईमानदारी से निर्वहन करते हुए इन उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। यादव ने कहा कि राज्य सरकार, प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार लाना चाहती है। इसे परिणाम तक पहुंचाने के लिए निदेशालय के प्रत्येक अधिकारी गंभीरतापूर्वक कार्य करें, जिससे यह बच्चे आगे जाकर वह देश के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमारे सैनिक सीमाओं की सुरक्षा करते हैं, उसी प्रकार शिक्षकों का अपने दायित्वों के प्रति जिम्मेदार होना भी देशभक्ति है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि पिछले 80 वर्षों में देश ने और राज्य ने विकास के अनेक पहलुओं को छुआ है। आज पानी और बिजली वितरण व्यवस्था में सुधार, सड़क तंत्र सुदृढ़ होने के साथ तथा गांव-गांव तक सरकारी विद्यालय खुले हैं।

फतेहसागर झील पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मॉर्निंग वॉक, आमजन से संवाद कर जानी कुशलक्षेम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। उदयपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह शहर की प्रसिद्ध फतेहसागर झील की पाल पर मॉर्निंग वॉक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने झील किनारे भ्रमण कर रहे आम नागरिकों, पर्यटकों और युवाओं से आत्मीय मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना। सादगी और आत्मीयता से जीता दिल, झील किनारे पी चाय

मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर आमजन और पर्यटक उत्साहित नजर आए:

बच्चों से स्नेहः मॉर्निंग वॉक के दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारते हुए टॉफियां बांटीं और युवाओं व बुजुर्गों से हाथ मिलाकर आत्मीय संवाद किया।

चाय की चुस्कियों के साथ चर्चाः मुख्यमंत्री ने फतेहसागर झील किनारे बैठकर आमजन के साथ चाय की चुस्कियों के बीच अनौपचारिक चर्चा की और स्थानीय मुद्दों व व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया।

मॉर्निंग वॉक और संवाद के दौरान मुख्यमंत्री के साथ कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और संगठन पदाधिकारी उपस्थित रहेः

जनप्रतिनिधिः कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद डॉ. मन्ना लाल रावत, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, विधायक उदयलाल डांगी।

संगठन व स्थानीय नेताः पूर्व डिप्टी मेयर पारस सिंघवी, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह, देहात जिला अध्यक्ष पुष्कर तेली, देवीलाल सालवी, दीपक शर्मा सहित अन्य प्रबुद्धजन साथ रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का फतेहसागर झील की पाल पर आमजन के बीच इस सहज अंदाज ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मॉर्निंग वॉक के दौरान मुख्यमंत्री ने बिना किसी औपचारिकता के लोगों से बातचीत की और झील की सुंदरता के साथ-साथ शहर की व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर कई लोगों ने उनके साथ फोटो खिंचवाए और अपनी बातें साझा कीं। बच्चों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें टॉफियां बांटीं और उनके साथ आत्मीयता से बातचीत की। वहीं युवाओं ने भी मुख्यमंत्री से संवाद किया। बुजुर्गों से हाथ मिलाकर उन्होंने उनका हालचाल जाना। झील की पाल पर मौजूद पर्यटकों ने भी मुख्यमंत्री के इस सहज व्यवहार को उत्सुकता के साथ देखा। चाय के दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से शहर की साफ-सफाई,

पर्यटन सुविधाओं और फतेहसागर झील से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक लिया। उन्होंने आमजन की बातों को ध्यान से सुना और संबंधित विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री का यह अनौपचारिक संवाद उदयपुर प्रवास के दौरान खास आकर्षण का केंद्र रहा। फतेहसागर झील उदयपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है और सुबह के समय यहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मॉर्निंग वॉक के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री का आम नागरिकों के बीच पहुंचकर बातचीत करना लोगों के लिए अप्रत्याशित और यादगार अनुभव रहा। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ मौजूद जनप्रतिनिधियों और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों ने भी स्थानीय लोगों से संवाद किया। मुख्यमंत्री के मॉर्निंग वॉक और आमजन से सीधे संवाद को सरकार और जनता के बीच संपर्क मजबूत करने की पहल के रूप में भी देखा गया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान फतेहसागर झील के आसपास के प्राकृतिक वातावरण और सुबह की गतिविधियों का भी जायजा लिया। उन्होंने झील की पाल पर मौजूद लोगों से बातचीत करते हुए उदयपुर की पर्यटन पहचान और यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। स्थानीय लोगों ने शहर की विभिन्न समस्याओं और जरूरतों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मॉर्निंग वॉक के दौरान मुख्यमंत्री का आमजन के बीच सहज रूप से घूमना लोगों के लिए खास आकर्षण रहा। कई लोगों ने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी ली और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। युवाओं में भी मुख्यमंत्री के साथ बातचीत को लेकर उत्साह नजर आया। मुख्यमंत्री ने युवाओं से उनके करियर, पढ़ाई और शहर से जुड़े विषयों पर बातचीत की।

फसल बीमा में गांव प्रदर्शित नहीं होने की समस्या का होगा त्वरित समाधान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ-2026 में अधिकाधिक किसानों को फसल बीमा का लाभ दिलाने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को फसल बीमा करवाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए विभाग ने राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर गांवों के विवरण को अद्यतन करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल ने बताया कि खरीफ-2026 के लिए फसल बीमा करवाने की अंतिम तिथि 16 अगस्त निर्धारित है। किसानों के हित में इस अवधि को बढ़ाकर 20 अगस्त किए जाने के लिए भारत सरकार से अनुरोध किया गया है। प्रस्तावित बढ़ी हुई अवधि में गैर-ऋणी, बटाईदार सहित सभी पात्र किसान अपनी फसलों का बीमा करवा सकेंगे। कृषि विभाग द्वारा राजस्व मंडल से प्राप्त विलेज मास्टर के आधार पर गांवों का विवरण राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर अपलोड करवाया गया है।

सरस फाउंडेशन के नेतृत्व में आयोजित लहरिया महोत्सव में नारी शक्ति और प्रतिभाओं का सम्मान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। सरस फाउंडेशन के नेतृत्व में जानवी नेल्स स्टूडियो द्वारा महिलाओं के आत्मसम्मान, नारी सशक्तिकरण और कला प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लहरिया महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सरस फाउंडेशन की प्राचार्य एवं चेयरमैन पिंकी शर्मा तथा जानवी नेल्स स्टूडियो की फाउंडर एवं नेल आर्टिस्ट तजिंदर कौर उर्फ जानवी सोनी के संयोजन में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूजा बाईसा लूणकरणसर ने फीता काटकर तथा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया। विशिष्ट अतिथि पर्वतारोही सुषमा बिस्सा एवं आशा जी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन किया गया। लहरिया महोत्सव के दौरान नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इनमें आभा पांडे, जय श्री बांठिया, अर्चना पुरोहित, ऋषिका व्यास, सुमित्रा सेन, राजकुमारी व्यास, कामिनी भोजक, सुमन बारासा, गीता खरखोदिया, मंगला देवी, संगीता महेश्वरी सहित अन्य महिलाएं शामिल रहीं। महोत्सव में नेल आर्ट, मेहंदी, डांस और मॉडलिंग सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। नेल आर्ट प्रतियोगिता में प्रियंका प्रथम, लक्षिका द्वितीय और पूर्णिमा तृतीय रहीं।

कल्पना संगीत विद्यालय में गूंजे देशभक्ति के तराने

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। युवा संगीतकार एवं गायक अंकित भट्ट के संयोजन में नवांकुर विद्यार्थियों नमन जैन, रचित सिंघल, वेदांश चांगल, कृतिका शर्मा और अथर्व रावत ने देशभक्ति गीत 'सारे जहां से अच्छा' प्रस्तुत किया। कलाकार नवल डांगी ने 'चिट्ठी आई है, वतन से चिट्ठी आई है' की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में अंकित भट्ट ने 'संदेश आते हैं', जबकि काजल कुमारी और ज्योति कुमारी ने 'दिल दिया है, जान भी देंगे' प्रस्तुत किया। संजय माहेश्वरी ने 'ऐ मेरे प्यारे वतन' गीत के माध्यम से देशभक्ति का संदेश दिया। इसी क्रम में बृजेश व्यास एवं गौरव भट्ट ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। अबीर तिवारी ने पखावज पर मनमोहक प्रस्तुति दी, वहीं कुणाल शर्मा ने गिटार पर देशभक्ति रचना प्रस्तुत कर कार्यक्रम में संगीत का रंग भर दिया। कार्यक्रम के समापन पर अंकित भट्ट ने सभी कलाकारों, विद्यार्थियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। देशभक्ति गीतों से सजे इस आयोजन ने स्वतंत्रता दिवस की भावना को और अधिक मजबूत किया।

प्रधानमंत्री किसानों और पशुपालकों के लिए हर साल ला रहे नई योजना : अमित शाह

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अलवर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि सहकारिता के माध्यम से देश का हर गांव समृद्ध हो। सहकार से समृद्धि के उनके मंत्र को चरितार्थ करते हुए हम हर गांव को समृद्ध करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत को पूर्ण विकसित बनाना है तो युवा, गरीब, अन्नदाता और महिला को सशक्त करना होगा। आज इन वर्गों के उत्थान की अवधारणा 'ज्ञान' अर्थात गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के कल्याण का संकल्प पूरा हो रहा है। और प्लांट भीलवाड़ा, जयपुर, पाली और राजसमंद में शुरू हो रहे हैं। इसके साथ-साथ फलोदी, बालोतरा, डीडवाना और प्रतापगढ़ में चार नए केन्द्रीय सहकारी बैंकों की शुरुआत भी आज हो रही है। इनसे किसानों को शून्य ब्याज दर पर ऋण मिल सकेगा। इस दौरान केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने किसान सम्मान निधि योजना की छठी किस्त के तहत 66 लाख 74 हजार से अधिक किसानों के खातों में करीब 667 करोड़ रुपए एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 152 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की। उन्होंने नए केन्द्रीय सहकारी बैंकों के गठन के साथ प्रदेश के 17 जिलों में 6 हजार 453 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने 200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अलवर सरस डेयरी के नवीन प्लांट का शिलान्यास किया। साथ ही विभिन्न दुग्ध संघों के डेयरी प्रोसेसिंग प्लांट एवं कैटल फीड प्लांट का लोकार्पण किया। साथ ही, नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। रविवार को प्रदेशभर में 10वें मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत 10 हजार 500 से अधिक नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि राजस्थान में वर्तमान में 44 हजार सहकारी समितियां हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर गांव में सहकारी समिति हो। प्रदेश में 500 मीट्रिक टन के 200 गोदाम बनाए जा रहे हैं और 50 नए गोदाम और स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों और पशुपालकों के कल्याण के लिए हर साल एक नई योजना की सौगात दे रहे हैं।

बारैठा बांध का गेट खोलकर पानी की निकासी जारी, कुकंद नदी किनारे गांवों में अलर्ट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बयाना। बयाना में लगातार हो रही बारिश के बीच बारैठा बांध में पानी की तेज आवक बनी हुई है। बांध का जलस्तर 27.70 फीट के पार पहुंचने के बाद जल संसाधन विभाग ने गेट नंबर 5 को करीब दो फीट खोलकर पानी की निकासी शुरू कर दी है। बांध से छोड़ा जा रहा पानी कुकंद नदी में पहुंच रहा है, जिससे नदी के बहाव क्षेत्र में जलस्तर बढ़ने की संभावना है।

बांध से पानी छोड़े जाने के बाद प्रशासन ने कुकंद नदी के किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया है। ग्रामीणों से नदी और निचले इलाकों से दूर रहने की अपील की गई है। साथ ही लोगों को अपने पशुओं को भी सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी गई है। बताया जा रहा है कि बांध से पानी की निकासी के चलते करीब एक दर्जन गांव प्रभावित हो सकते हैं। वहीं, पानी बढ़ने की स्थिति में बयाना-बसेड़ी मार्ग पर भी इसका असर पड़ने की आशंका है।

फुट्सल फॉर ऑल डे 2026 नाइट टूर्नामेंट का समापन, रोमांचक मुकाबले में बीकानेर फुटबॉल क्लब बना चैंपियन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर फुटबॉल क्लब के तत्वावधान में आयोजित 'फुट्सल फॉर ऑल डे 2026 फुट्सल टूर्नामेंट (नाइट टूर्नामेंट)' का भव्य समापन डगआउट एस्ट्रो टर्फ, सागर, बीकानेर में हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में बीकानेर फुटबॉल क्लब ने राजस्थान पुलिस को कड़े और रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबला शुरू से ही रोमांच से भरपूर रहा। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। बीकानेर फुटबॉल क्लब की ओर से अखिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जबकि हर्षवर्द्धन ने एक गोल कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजस्थान पुलिस की ओर से ट्विंकल ने दोनों गोल किए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। फाइनल मुकाबले के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि ट्रॉमा सीएमओ डॉ. एल. के. कपिल, उप जिला शिक्षा अधिकारी मोहम्मद रफीक चौहान, पूर्व राजस्थान बास्केटबॉल कप्तान दानवीर सिंह भाटी, ओलंपिक संघ कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, राजस्थान पुलिस के कोच तरुण कुमार तथा क्रिकेट कोच दिलकांत माचरा ने विजेता बीकानेर फुटबॉल क्लब और उपविजेता राजस्थान पुलिस की टीम को ट्रॉफी एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि फुट्सल जैसे तेज और रोमांचक खेल को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजनों से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्राप्त होता है। प्रतियोगिता के सफल समापन के साथ बीकानेर फुटबॉल क्लब ने फुट्सल फॉर ऑल डे 2026 का खिताब अपने नाम कर शानदार उपलब्धि हासिल की।

'सक्षम नारी, स्वस्थ बचपन, समृद्ध राजस्थान' : राज्य स्तरीय कार्यक्रम का बीकानेर में हुआ सीधा प्रसारण

जयपुर, थिंक राजस्थान

बीकानेर। महिला एवं बाल विकास विभाग, जयपुर द्वारा 'सक्षम नारी, स्वस्थ बचपन, समृद्ध राजस्थान' विषय पर 15 अगस्त को आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का बीकानेर में भी सीधा प्रसारण किया गया। जयपुर में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम का जिला मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सीधा प्रसारण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक डॉ नरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि जिला मुख्यालय स्थित रविंद्र रंगमंच में आयोजित सीधे प्रसारण कार्यक्रम में जिले से लगभग 380 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं साथिनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं साथिनों को डीबीटी के माध्यम से किए जा रहे लाभ हस्तांतरण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाना और उनसे सीधा संवाद स्थापित करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने हरियाली तीज एवं रक्षाबंधन के अवसर पर महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं साथिनों को 1,100 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में हस्तांतरित की। Lजिला स्तरीय कार्यक्रम में विभाग द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया। ब्लॉक स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 566 प्रतिभागियों तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 2,978 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

नशे की गतिविधियों पर शिकंजाः चार संदिग्ध युवकों को पकड़ा, नगर परिषद की जेसीबी से तीन-चार अस्थायी ढाबे हटाए

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। मेगा हाईवे पर स्थित बुकलसर फांटा क्षेत्र में नशे की गतिविधियों और अवैध रूप से संचालित अस्थायी ढाबों के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई की। पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए चार युवकों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया। इसके बाद नगर परिषद सरदारशहर के सहयोग से बुकलसर फांटा पर सरकारी जमीन पर बने तीन-चार अस्थायी ढाबों को जेसीबी की सहायता से हटाया गया। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू निश्चय प्रसाद एम., आईपीएस ने बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर आर्म्स एक्ट, संगठित अपराध, गैंग से जुड़े अपराध, लूट, हत्या, डकैती, चोरी-नकबजनी और नशे की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में जिले में प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू सुनील कुमार आरपीएस के निर्देशन तथा पुलिस उपाधीक्षक सरदारशहर कुलदीप वालिया आरपीएस के सुपरविजन में थानाधिकारी सरदारशहर धीरेन्द्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में पुलिस टीमों द्वारा होटल, ढाबों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार निगरानी की जा रही थी। पुलिस के अनुसार ग्रामीणों, कॉलोनीवासियों और गांधी विद्या मंदिर प्रशासन की ओर से लगातार सूचना मिल रही थी कि सरदारशहर-पल्लू रोड पर बुकलसर फांटा के पास सरकारी जमीन पर तीन-चार अस्थायी ढाबे संचालित किए जा रहे हैं।

इन स्थानों पर गांजा, पोस्त और अफीम की बिक्री एवं सेवन करवाए जाने की शिकायतें भी सामने आई थीं। पुलिस ने ढाबा संचालकों को सख्त हिदायत दी कि दोबारा अतिक्रमण अथवा किसी प्रकार की अवैध गतिविधि संचालित किए जाने की सूचना मिलने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान/ प्रादेशिक

एक ही दिन जिला व उपखण्ड स्तर पर सम्मानित हुए हुलास मल व्यास, सम्मान के साथ बढ़ी समाजसेवा की जिम्मेदारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 हुलास मल व्यास के लिए गौरव और सामाजिक जिम्मेदारी का विशेष दिन रहा। शिक्षा, रक्तदान, समाजसेवा, मानव कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्र निर्माण तथा धार्मिक-सांस्कृतिक जागरण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए उन्हें जिला प्रशासन चूरू द्वारा जिला स्तर पर तथा उपखण्ड प्रशासन सरदारशहर द्वारा उपखण्ड स्तर पर प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय समारोह में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, विधायक हरलाल सारण, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद सहित प्रशासनिक अधिकारियों एवं गणमान्यजनों की उपस्थिति में सम्मान मिला। वहीं उपखण्ड स्तरीय समारोह में विधायक पं. अनिल भंवरलाल शर्मा, तहसीलदार मुकुल टांक, डीएसपी कुलदीप वालियां सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्यजनों की मौजूदगी में उन्हें सम्मानित किया गया। दोनों स्तरों पर मिले सम्मान पर व्यास ने कहा कि "यह सम्मान मेरा अकेले का नहीं, बल्कि उन सभी साथियों, शुभचिंतकों, परिवारजनों और समाज के लोगों का है, जिन्होंने सेवा-पथ पर मेरा विश्वास और मनोबल बढ़ाया। सम्मान मेरे लिए मंजिल नहीं, बल्कि आगे और अधिक ईमानदारी व समर्पण से कार्य करने की जिम्मेदारी है।" उन्होंने अपने पैतृक गांव मेहरासर चाचेरा की मिट्टी, परिवार, सहयोगियों तथा पत्रकार साथियों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सामाजिक यात्रा में इन सभी का योगदान अविस्मरणीय है। व्यास ने कहा कि उनकी प्राथमिकता आगे भी "जहाँ शिक्षा की आवश्यकता हो वहाँ शिक्षा, जहाँ रक्त की आवश्यकता हो वहाँ रक्तदान और जहाँ जरूरतमंद को सहारे की आवश्यकता हो वहाँ मानवता के साथ खड़ा होना" रहेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पहचान किसी पद से नहीं, बल्कि काम और समाजसेवा के प्रयासों से बने, यही उनका संकल्प है। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण और मानव सेवा जैसे कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ युवाओं को भी सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर ऐसे व्यक्तित्वों का सम्मान समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश देता है।

सड़क सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता में उत्कृष्ट कार्य के लिए परिवहन इंस्पेक्टर दिनेश सिंह जिला स्तर पर सम्मानित

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चौगान स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (RTO) जयपुर द्वितीय (विद्याधर नगर) में पदस्थापित इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को सड़क सुरक्षा जागरूकता और सामाजिक गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ तथा जयपुर जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट संदेश नायक ने संयुक्त रूप से दिनेश सिंह को प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटो (स्मृति चिह्न) प्रदान कर सम्मानित किया। इस गरिमामयी अवसर पर जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा और हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य भी मंच पर उपस्थित रहे। छात्रों व नागरिकों को किया जागरूकः उन्होंने विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों तथा राजकीय कार्यालयों में निरंतर कार्यशालाएं आयोजित कर सैकड़ों विद्यार्थियों और आम नागरिकों को यातायात नियमों की पालना और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया है।

राजस्थान के झालावाड़ में बेकाबू बस ने तीर्थयात्रियों को रौंदा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

झालावाड़। राजस्थान के झालावाड़ जिले में पटालिया पीर दरगाह घाटी में तीर्थयात्रियों के एक समूह को बेकाबू बस ने टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना देर रात हुई। जब यात्रियों से भरी बस अचानक बेकाबू हो गई और घाटी के ऊपरी हिस्से से तेजी से नीचे की ओर आई और सड़क किनारे खड़े लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हो गए। उन्हें देर रात जिला अस्पताल ले जाया गया। घायलों के मुताबिक, घाटी के ऊपरी हिस्से से नीचे आते समय बस की रफ्तार अचानक बढ़ गई और वह सड़क पर जमा तीर्थयात्रियों पर चढ़ गई। मृतकों की पहचान अब्दुल हामिद और रेहान के तौर पर हुई है।

ग्राम विकास अधिकारियों की बैठक में आंदोलन की चेतावनी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ, जिला बीकानेर की बैठक किड्स कनेक्ट स्कूल में जिला अध्यक्ष रामनिवास भादू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संवर्ग की पदोन्नति, लंबित एसीआर, जेजेएम योजना के बहिष्कार, प्रांतीय भवन निर्माण तथा अन्य मांगों पर चर्चा की गई। स्थानांतरण मामलों में न्यायालय के स्थगन आदेशों की पालना नहीं होने पर संघ ने रोष जताया। जिला अध्यक्ष रामनिवास भादू व प्रदेश प्रतिनिधि मनोज सुथार ने कहा कि 31 जुलाई को सीईओ को ज्ञापन देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई है। संघ ने चेतावनी दी कि न्यायालय के आदेशों की पालना नहीं होने पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा द्वारा संचालित अर्बुदा गोनंदी तीर्थ अर्बुदा गौशाला में गूंजा 'एक पेड़ मां के नाम' का संकल्प, "वृक्ष हैं तो हम हैं, गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी"

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सिरोही। अर्बुदा गौशाला के विशाल प्रांगण में स्व. श्री दलपतजी राजपुरोहित मण्डवारिया की पुण्य स्मृति में प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के उद्देश्य से रविवार को "एक पेड़ माँ के नाम" के तहत 25 हजार पौधे के संकल्प के साथ वृक्षारोपण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम श्रीगोधाम महातीर्थ पथमेड़ा द्वारा संचालित श्री अर्बुदा गो नन्दी तीर्थ, अर्बुदा गोशाला एवं भारत विकास परिषद्, सिरोही के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। श्रीपतिधाम के संस्थापक परम पूज्य गोविंद बल्लभदासजी महाराज के सानिध्य में आयोजित समारोह में अतिथियों ने गौपूजन किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गोपाल गोवर्धन गोशाला, नन्दगांव के अध्यक्ष भूराराम पुरोहित के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने उपस्थित अतिथियों एवं गोभक्तों का स्वागत किया। नारायण पुरोहित मण्डवारिया ने संबोधित करते हुए स्व. दलपतजी के सेवा कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि उनके सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सपनों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। पौधारोपण अभियान को आगे बढ़ाने तथा स्व. दलपतजी के सपने को साकार करने के लिए प्रत्येक प्रकल्प में सहयोग जारी रखने की बात कही गई। पथमेड़ा के कार्यकारी अध्यक्ष रघुनाथसिंह राजपुरोहित ने गौशाला की प्रस्तावना रखते हुए यहां संचालित गोसेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने गौशाला की आय एवं व्यय का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया। सीमा जन कल्याण के संगठन मंत्री सरूपदानजी भाईसाहब ने कहा कि भारत की संस्कृति ने समाज को जीवन मूल्य दिए हैं। पर्यावरण जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा पूर्वजों से मिले संस्कारों को आगे बढ़ाना सभी का दायित्व है। जालोर-सिरोही सांसद लुम्बारामजी चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है।

राजपूताना बिजनेस नेटवर्क 'आरबीएन'2026 का अंतर्राष्ट्रीय आयोजन बीकानेर में

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। भारतीय एवं वैश्विक व्यापार जगत को साझा मंच पर लाने के उद्देश्य से राजपूताना बिजनेस नेटवर्क (आरबीएन) 2026 के तहत तीन दिवसीय कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। आरबीएन के राजस्थान प्रभारी पचार ग्रुप के जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह आयोजन 21 से 23 अगस्त 2026 तक बीकानेर के लालगढ़ पैलेस में आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य भारतीय और वैश्विक व्यापार जगत को एक साझा मंच पर लाना है। आरबीएन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर आर पी सिंह दुर्गवंश की ओर से मिली जानकारी के अनुसार इस आयोजन की थीम भविष्य को सशक्त बनाना रखी गई है। इसके माध्यम से उद्यमियों, निवेशकों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ग्लोबल बिजनेस कॉन्फ्रेंस, मेगा ट्रेड एग्जीबिशन, रॉयल फैशन शो, बी टू बी नेटवर्किंग और एक्सीलेंस अवार्ड्स जैसे प्रमुख आकर्षण शामिल रहेंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा पर उन्होंने कहा कि पहले दिन वैश्विक व्यापार और निवेश पर चर्चा होगी, दूसरे दिन भारतीय उद्योग,सीएसआर और संस्कृति पर फोकस रहेगा, जबकि तीसरे दिन भविष्य की रणनीति और नेतृत्व पर विचार-विमर्श किया जाएगा। आयोजन की पृष्ठभूमि पर जितेंद्र सिंह पचार ने कहा कि आरबीएन के साथ-साथ अखंड राजपूताना सेवासंघ द्वारा पिछले वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और आपदा राहत के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। संगठन ने कोविड काल में भी हजारों परिवारों को सहायता प्रदान की थी। इस आयोजन में उद्यमियों, निवेशकों, ब्रांड्स, फैशन डिजाइनरों और सामाजिक संगठनों के लिए भागीदारी के अवसर उपलब्ध रहेंगे। इच्छुक प्रतिभागी मोबाइल नंबर 96929 61727 पर संपर्क कर इसमें भाग ले सकेंगे। इससे पूर्व उड़ीसा,उत्तराखंड एवं महाराष्ट्र में इस समिट का आयोजन किया जा चुका है। जितेंद्र सिंह पचार ने बताया कि आरबीएन 2026 को केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक ऐसा सशक्त मंच है जो परंपरा, नवाचार और वैश्विक व्यापार को एक साथ जोड़कर नए अवसरों का निर्माण करेगा।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जागरूकता एवं संवेदनशीलता आवश्यक

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग द्वारा शुक्रवार को शासन सचिवालय में 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का समापन किया गया। 27 जुलाई से 14 अगस्त तक आयोजित इस इंटर्नशिप कार्यक्रम में विधि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने मानवाधिकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अध्ययन के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं आयोग के अध्यक्ष जस्टिस जी.आर. मूलचंदानी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मानवाधिकार केवल कानूनी अधिकारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, गरिमा और समानता से जुड़े हैं। कार्यक्रम के अंत में इंटर्नशिप की समन्वयक एवं आयोग की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संध्या यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जगद्गुरु शंकराचार्य बोले—जिस हृदय में धर्म प्रतिष्ठित, वहीं श्रीराम का राज्य

एजेंसी, थिंक राजस्थान

रेवदर। अर्बुदारण्य की पावन धरा पर श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा की ओर से नंदगांव में आयोजित 'श्री सुरभि हरिहर चातुर्मास आराधना महोत्सव' श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बना हुआ है। परम श्रद्धेय गोऋषि स्वामी श्री दत्तशरणानंदजी महाराजश्री की पावन प्रेरणा से आयोजित महोत्सव में प्रतिदिन धर्माचार्य मण्डपम् स्थित सत्संग मण्डप में धर्मसभा का आयोजन हो रहा है। रामजन्मोत्सव के पश्चात चल रही रामकथा के प्रसंग में जगद्गुरु शंकराचार्य ने भगवान श्रीराम के अवतार के आध्यात्मिक प्रयोजन से लेकर धर्माचरण, आत्मकल्याण, रामराज्य और दान की शास्त्रीय मर्यादा तक का प्रभावशाली विवेचन किया। उन्होंने कहा कि भगवान का अवतार केवल एक उद्देश्य की पूर्ति के लिए नहीं होता, बल्कि जीव के कल्याण, धर्म की प्रतिष्ठा और संसार को आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने के लिए परमात्मा अनेक प्रयोजनों से अवतरित होते हैं। अजन्मा, निराकार और निर्गुण परमब्रह्म भक्तों के प्रेमवश कौशल्या की गोद में बालरूप धारण करते हैं। परमात्मा नाम-रूप से परे होते हुए भी लोककल्याण के लिए नाम और रूप धारण करते हैं। जगद्गुरु ने कहा कि मनुष्य जीवन शास्त्रविहित धर्म के आचरण और अधर्म के त्याग के लिए मिला है। शास्त्र की आज्ञा और निषेध को केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन के अनुशासन के रूप में स्वीकार करना चाहिए। धर्म का पालन ही मनुष्य को उसके वास्तविक गौरव तक पहुंचाता है।

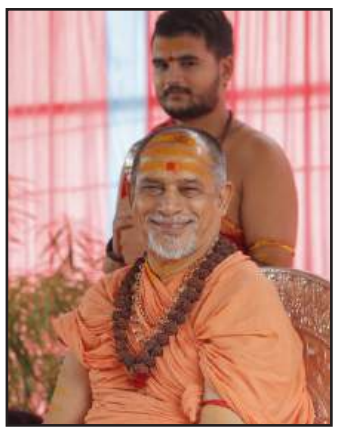

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं एवं 70 साल से अधिक आयुवर्ग के समाजजनों का हुआ सम्मान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सिरोही। गौड सनाढ्य ब्राह्मण समाज सिरोही अध्यक्ष वैध दामोदर प्रशाद चतुर्वेदी की अध्यक्षता में रविवार को समाज का द्विवार्षिक अधिवेशन पटनारायणधाम गिरवर में आयोजित हुआ। इसमें समाज विकास के विभिन्न मुद्दों के बारे में चर्चा की गई। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस दौरान पाटनारायणधाम गिरवर महंत हृदयशरण महाराज मुख्य अतिथि एवं अंबाबेरी धाम महंत सनक़ादिकशरण महाराज विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विस्तार इस दौरान अंबाबेरी धाम महंत सनक़ादिकशरण महाराज का कहना था कि ब्राह्मण समाज में उत्पन होना बड़े गौरव की बात है। हमें अपनी युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ संस्कार भी देना चाहिए। लेकिन, हम इस ओर ध्यान नहीं दे पा रहे है। इसके अभाव में हम अपने प्राचीन मूल्यों को खोते जा रहे है। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं एवं 70 साल से ज्यादा आयुवर्ग के समाजजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर एवं दुप्पटा पहनाकर सम्मानित किया गया। समाज संरक्षक भगवानदास शर्मा एवं पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। उनका कहना था कि समय समय पर इस प्रकार के आयोजन होने चाहिए। इससे समाजबंधुओं को एक मंच पर आने एवं समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। समाजबंधुओं को अपनी व्यस्त जिंदगी में कुछ समय निकालकर समाज की सहभागिता के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। समाज महामंत्री सुनिल शर्मा द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। भामाशाह परिवार मोहनप्रकाश गौतम परिवार सदस्यों का भी अभिनंदन कर आभार जताया गया। अंत में अध्यक्ष वैद्य दामोदर प्रशाद चतुर्वेदी द्वारा आगंतुकों का आभार जताया गया। कार्यक्रम का संचालन अशोक चतुर्वेदी एवं अर्जुन शर्मा द्वारा किया गया।

गृह मंत्री अमित शाह उदयपुर आए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया स्वागत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह राजस्थान शनिवार रात उदयपुर पहुंचे। उनके आगमन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। गृह मंत्री अमित शाह शनिवार रात उदयपुर में रात्रि विश्राम करेंगे, जबकि रविवार को उनका मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा जाने का कार्यक्रम निर्धारित है। केंद्रीय गृह मंत्री के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, जिले के प्रभारी मंत्री हेमंत मीणा, सांसद सी.पी. जोशी, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत और राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया सहित कई जनप्रतिनिधि और भाजपा नेता मौजूद रहे। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान के निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) और अलवर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वे प्रदेश को 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। एयरपोर्ट से लेकर उनके प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों तक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

मनोरंजन समाचार

'बटवारा 1947' को पीछे छोड़ आगे निकली 'आवारापन 2', 100 करोड़ क्लब से बस इतनी दूर इमरान हाशमी की फिल्म

इमरान हाशमी की 'आवारापन 2' इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक थी। हालांकि, इसका पहला पार्ट बॉक्स ऑफिस पर हिट नहीं हुआ था, लेकिन समय के साथ दर्शकों के बीच इसकी लोकप्रियता बढ़ती गई। खासकर इसके म्यूजिक की वजह से, जो काफी मशहूर हो गए। ऐसे में फिल्म के सीक्वल को लेकर लोगों में जबरदस्त क्रेज होना जायज है, जिसका असर इसकी शानदार कमाई पर भी साफ नजर आ रहा है। फिल्म ने पहले ही दिन 'आवारापन' के लाइफटाइम कलेक्शन का आंकड़ा पार कर लिया। वहीं सनी देओल की 'बटवारा 1947' की कमाई निराशाजनक रही है। 'आवारापन 2' को इंडिपेंडेंस डे वीकेंड का भी फायदा मिला और सैकनिल्क के अनुसार इसने पहले दिन 22 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे दिन इसमें 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इसने 33.75 करोड़ रुपये कमाए। शनिवार को इसके शो की संख्या भी बढ़ाई गई थी, जहां पहले दिन फिल्म के 9033 शो थे। वहीं दूसरे दिन कुल 10,496 शो हुए, जिससे कमाई में बढ़ोतरी हुई। रविवार को फिल्म के शो की संख्या घटाकर 9403 कर दी गई। इस वजह से इसकी कमाई में भी गिरावट आई और इसने पहले रविवार को 26 करोड़ रुपये कमाए। इसके साथ ही भारत में फिल्म 'आवारापन 2' का अब तक का कुल कलेक्शन 81.75 करोड़ रुपये हो गया है। असली परीक्षा सोमवार को होगी कि क्या फिल्म अपनी पकड़ बनाए रख पाती है या नहीं। चौथे दिन के आंकड़े यह तय करने में अहम होंगे कि बाकी हफ्ते में फिल्म का प्रदर्शन कैसा रहेगा, लेकिन 'आवारापन 2' ने 'बटवारा 1947' को काफी पीछे छोड़ दिया है। सनी देओल की इस फिल्म ने तीसरे दिन सिर्फ 7.25 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का कुल कलेक्शन अब 26.50 करोड़ रुपये हो गया है। तीसरे दिन 'आवारापन 2' ने 9,403 शो में 26.00 करोड़ की नेट कमाई की, जिससे भारत में इसकी कुल ग्रॉस कमाई 98.10 करोड़ और नेट कमाई 81.75 करोड़ हो गई। इसके साथ ही यह फिल्म भारत में 100 करोड़ क्लब में शामिल होने से अब बस 1.90 करोड़ दूर है। ऐसे में 'आवारापन 2' साल 2026 की आठवीं हिट रोमांटिक बॉलीवुड फिल्म बन गई है। यह 'बॉर्डर 2', 'द केरला स्टोरी 2', 'धुरंधर 2', 'भूत बंगला', 'हॉन्टेड 3D: इकोज़ ऑफ़ द पास्ट', 'वेलकम टू द जंगल' और 'धमाल 4' जैसी फिल्मों की खास लिस्ट में शामिल हो गई है। 'आवारापन 2' की लगातार मजबूत कमाई ने फिल्म इंडस्ट्री में भी चर्चा तेज कर दी है। फिल्म को दर्शकों की ओर से मिल रही प्रतिक्रिया और स्वतंत्रता दिवस वीकेंड का फायदा बॉक्स ऑफिस पर साफ दिखाई दे रहा है। खास तौर पर दूसरे दिन कलेक्शन में 55 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी ने इसकी मजबूत पकड़ का संकेत दिया। फिल्म के कलेक्शन में रविवार को जरूर गिरावट देखने को मिली, लेकिन इसके बावजूद तीसरे दिन 26 करोड़ रुपये की कमाई करना एक मजबूत प्रदर्शन माना जा रहा है। यदि सोमवार को भी फिल्म अपनी कमाई की रफ्तार बनाए रखती है, तो इसके पहले सप्ताह का कारोबार काफी मजबूत रहने की उम्मीद है।

सिंगर सोराया नीटो पर कांच की बोतल से हुआ हमला, बुरी तरह हुईं घायल, चेहरे पर लगे टांके

8 अगस्त को पेरू में एक लोकल फेस्टिवल में परफॉर्म करते समय सिंगर सोराया नीटो पर कांच की बोतल से हमला किया गया। यह घटना पेरू के अयाकुचो डिपार्टमेंट के हुआमांगा प्रोविंस के ओक्रोस डिस्ट्रिक्ट में स्थित चुम्बेस नाम की जगह पर हुई। बाद में हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिससे सिंगर के फॉलोअर्स में गुस्सा फैल गया। यह पहली बार नहीं, जब किसी सिंगर पर हमला किया गया हो। इसके पहले मशहूर बॉलीवुड और हरियाणा के सिंगर-रैपर राहुल फाजिलपुरिया पर जानलेवा हमला हुआ था। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे भीड़ में से एक शख्स उन पर कांच की बोतल फेंकता है। बोतल फेंकने वाला व्यक्ति सिंगर से इसलिए नाराज था, क्योंकि नीटो का शो उम्मीद से ज्यादा देर तक चला। उसने सीधे स्टेज की तरफ कांच की बोतल फेंकी, जो सिंगर के चेहरे पर लगी और उन्हें कई चोटें आईं। इस हमले की वजह से नीटो के चेहरे पर कई छोटे-छोटे कट लग गए, बाईं पलक पर चोट का निशान बन गया, भौंह के आस-पास सूजन आ गई और निचले होंठ के नीचे एक गहरा जख्म हो गया, जिसके लिए टांके लगाने पड़े। चोट इतनी ज्यादा थी कि उनका चश्मा भी पूरी तरह टूट गया। अच्छी बात यह रही कि टूटे हुए लेंस से उनकी आंखों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। 'एल हेराल्डो डी मेक्सिको' की एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा, 'तुरंत ही, उस इलाके के कई लोग और दोस्त मेरी मदद के लिए दौड़े क्योंकि मेरा खून बह रहा था। मैं उनकी मदद और चिंता के लिए बहुत आभारी हूं।'

12 किलो वजन घटाने पर सोहेल खान ने किया खुलासा, बताया क्यों हुआ इतना बड़ा बदलाव

एक्टर-प्रोड्यूसर सोहेल खान का वजन काफी कम हो गया है, जो रियलिटी शो 'अलायंस' की रैप-अप पार्टी में साफ दिखा और इससे फैंस को चिंता हुई। जहां कुछ लोगों को लगा कि उन्हें कोई हेल्थ प्रॉब्लम है। वहीं कुछ ने सोचा कि क्या उन्होंने वजन कम करने वाली दवाएं जैसे ओजेम्पिक ली हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में सोहेल ने इन अफवाहों को गलत बताया और अपने ट्रांसफॉर्मेशन के पीछे की सच्चाई बताई। शो में शुरुआत में ही बीमार पड़ने के बावजूद एक्टर पांच हफ्ते तक शो का हिस्सा बने रहे। उन्होंने शो में बने रहने के लिए दूसरे कंटेस्टेंट्स से मिले प्यार और देखभाल को इसका श्रेय दिया। हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में सोहेल ने कहा, 'शुरुआती कुछ दिनों में मुझे थोड़ी घबराहट क्लॉस्ट्रोफोबिया महसूस हुई, क्योंकि मैं पहली बार किसी रियलिटी शो का हिस्सा बना था। घर में घुसने के पहले ही हालात तब और मुश्किल हो गए, जब पहले ही हफ्ते में उन्हें पेट का इन्फेक्शन हो गया। पहले हफ्ते में पेट की तकलीफ यानी स्टमक बग ने भी मेरी परेशानी बढ़ा दी। मैं आपको बताना चाहता हूं कि कंटेस्टेंट्स ने न सिर्फ मेरी सेहत को लेकर, बल्कि हर समय जो प्यार और फिक्र दिखाई। उसी वजह से मैं पांच हफ्ते तक वहां रुका रहा, जबकि मैं पहले वीक से ही बीमार था।' बीमारी की वजह से सोहेल को अपनी डाइट को लेकर ज्यादा सावधान रहना पड़ा। एक्टर ने बताया कि वह रियलिटी शो में अपने सफर में सेहत की वजह से कोई रुकावट नहीं आने देना चाहते थे और चुनौतियों में हिस्सा लेते रहना चाहते थे। इसका मतलब था कि उन्हें अपनी डाइट पर कंट्रोल रखना था और साथ ही कॉम्पिटिशन के लिए काफी एक्टिव भी रहना था। सोहेल ने शो के दौरान बनी दोस्ती के बारे में भी खुशी-खुशी बात की। सोहेल के वजन की बात 'द अलायंस' के दौरान भी उठी थी, जब उनके भाई सलमान खान उन्हें सपोर्ट करने के लिए शो में आए थे। शो में आने के दौरान सलमान ने बताया कि सोहेल ने पहले ही 12 किलो वजन कम कर लिया था।

'द ट्रेटर्स 2' से बाहर होते ही मुनव्वर फारूकी ने अभिषेक मल्हान को लिया आड़े हाथ, सोशल मीडिया पर कसा तंज

मुनव्वर फारूकी को द ट्रेटर्स सीजन 2 के पहले ही राउंड में शो से बाहर कर दिया गया, जिससे कई फैंस और दर्शक हैरान रह गए। मुनव्वर ने अपना बचाव करने की कोशिश की, लेकिन शो में हरमन सिंघा और अभिषेक मल्हान उनके खिलाफ हो गए। मुनव्वर 'बेकसूर' थे और उन्हें शो छोड़ना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने बाकी ग्रुप पर 'इनसिक्योर' होने का आरोप लगाया। अभिषेक ने शो में यह भी कहा कि अगर उनके और मुनव्वर के बीच कोई रेस होती है तो जीत हमेशा उनकी ही होगी। यह शो 21 कंटेस्टेंट्स के साथ शुरू हुआ था और ड्रामे को लेकर चर्चा में है। मुनव्वर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान पर तंज कसा।

तेजस्वी प्रकाश से पुराने मतभेद पर सुरभि चंदना बोलीं, गलतफहमियों को लंबा नहीं खींचना चाहिए

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की।

अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए।

सुरभि ने अपनी प्रोडक्शन डेब्यू सीरीज इश्क दम और इडली रसम का उदाहरण देते हुए बताया कि उनके कई पुराने को-स्टार्स इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने हैं। इन कलाकारों के साथ मेरा रिश्ता सिर्फ काम तक सीमित नहीं है, बल्कि सालों पुरानी दोस्ती भी है। जब मैंने अपना शो के लिए पुराने दोस्तों को खुद फोन किया और उनसे इसमें काम करने के लिए कहा, तो वह तुरंत राजी हो गए।

सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है।

सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है। मैं तेजस्वी की बर्थडे पार्टी में शामिल हुई थी। वह भी मेरे शो की सक्सेस पार्टी में आई थीं। हम दोनों एक-दूसरे को काफी लंबे समय से जानती हैं। हमारा रिश्ता उस समय से है, जब तेजस्वी ने ज्यादा शोज नहीं किए थे। हमारे पास एक-दूसरे के नंबर हैं और हम इंस्टाग्राम पर भी एक-दूसरे को फॉलो करते हैं।

इस साल फरवरी में वेब सीरीज साइको सैयां के प्रमोशन के दौरान सुरभि और तेजस्वी के बीच विवाद सामने आया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेजस्वी ने सुरभि के साथ इंटरव्यू देने से इनकार कर दिया था। इस दौरान सुरभि भावुक होकर वहां से चली गई थीं, हालांकि तेजस्वी ने ऐसा फैसला क्यों लिया था, इसकी सही वजह अब तक साफ नहीं हुई है। सुरभि चंदना के इस बयान के बाद उनके और तेजस्वी प्रकाश के बीच कथित विवाद को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने बयान में किसी पुराने मतभेद की विस्तृत वजह बताने के बजाय रिश्ते को सकारात्मक नजरिए से देखने पर जोर दिया। उन्होंने साफ किया कि इंडस्ट्री में लंबे समय से साथ रहे लोगों के बीच कभी-कभी गलतफहमियां होना स्वाभाविक है, लेकिन रिश्तों को खत्म करने के बजाय बातचीत से चीजों को सुलझाना ज्यादा जरूरी है। सुरभि ने यह भी बताया कि समय के साथ कलाकारों के रिश्ते बदल सकते हैं, लेकिन पुरानी दोस्ती और साथ बिताए अनुभवों की अपनी अलग अहमियत होती है। उनके मुताबिक, किसी भी रिश्ते में हर समय सब कुछ एक जैसा नहीं रहता। काम का दबाव, अलग-अलग प्रोजेक्ट्स और परिस्थितियां कभी-कभी लोगों के बीच दूरी पैदा कर सकती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि रिश्ता हमेशा के लिए खत्म हो गया। तेजस्वी के साथ अपने वर्तमान रिश्ते को लेकर सुरभि ने जिस तरह बात की, उससे यह संकेत मिलता है कि दोनों के बीच अब कोई बड़ी कड़वाहट नहीं है। उन्होंने तेजस्वी की बर्थडे पार्टी में शामिल होने और तेजस्वी के उनके शो की सक्सेस पार्टी में आने का जिक्र करते हुए बताया कि दोनों अभी भी एक-दूसरे के संपर्क में हैं। सुरभि का कहना है कि टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को एक-दूसरे की सफलता का सम्मान करना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के बावजूद एक-दूसरे को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ कार्य संस्कृति सिर्फ बातों से नहीं बनती, बल्कि कलाकारों के व्यवहार और आपसी सहयोग से भी इसका निर्माण होता है। पुराने दोस्तों का तुरंत काम के लिए तैयार हो जाना उनके लिए खास अनुभव रहा।

6 साल के एज गैप से खुश नहीं था परिवार, फिर गौहर खान ने चुना प्यार, जैद दरबार को बनाया हमसफर

गौहर खान और जैद दरबार अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ हमेशा अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। कपल की खूबसूरत तस्वीरें और कैंडिड फैमिली मोमेंट्स फैंस को बहुत पसंद हैं, जिनकी वजह से वह लाइमलाइट में रहते हैं। लॉकडाउन के दौरान शुरू हुआ प्यार 25 दिसंबर 2020 को सात जन्म के रिश्ते में बदल गया। गौहर और जैद को शादी से पहले अपनी उम्र के अंतर और परिवार की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा। हालांकि, गौहर और जैद अपने फैसले पर अड़े रहे और सबकी सहमति से शादी कर ली। आज कपल दो बेटों जेहान और फरवान के माता-पिता है, जिन्होंने हाल ही में रिश्ते और शादी से पहले आई मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की। गौहर और जैद की लव स्टोरी पैंडेमिक के दौरान शुरू हुई, जब वे सोशल मीडिया के जरिए मिले थे। उनकी पहली बातचीत तब हुई, जब जैद ने गौहर को एक मैसेज भेजा। कपल की कैजुअल बातचीत जल्द ही कुछ सीरियस रिलेशनशिप में बदल गई। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के यूट्यूब शो डबल डेट पर आने के दौरान इस कपल ने अपनी शुरुआती बातचीत के बारे में खुलकर बात की। गौहर ने याद किया कि जैद ने शुरू में उनसे कहा था कि वह 24 साल का है। यह वह तुरंत हैरान रह गईं और उनसे बातचीत बंद करने को कहा। जैद बताया कि वह गौहर से बहुत प्यार करने लगे और वह उन्हें खोना नहीं चाहते, इसलिए उन्होंने हार नहीं मानी।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की कास्ट ने न्यूयॉर्क में मनाया आजादी का जश्न

न्यूयॉर्क की स्काईलाइन में भारतीय रंग देखने को मिला, जब मशहूर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग को स्वतंत्रता दिवस के खास जश्न के लिए हरे, सफेद और नारंगी रंगों से रोशन किया गया। भारतीय विरासत, सामुदायिक भावना और टीवी के मशहूर चेहरों ने मिलकर इस शाम को खास और यादगार बना दिया। शहर की इस मशहूर इमारत ने भारत और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सम्मान में अपने टॉवर को रोशन किया। इस दौरान 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के कलाकार असित कुमार मोदी, दिलीप जोशी, मंदार चंदवादकर और सोनालिका जोशी इस समारोह में शामिल हुए और लाइटें जलाईं। एक्टर अदिवि शेष भी इस जश्न में शामिल हुए और इस मशहूर जगह पर मौजूद लोगों के साथ जुड़े। शनिवार, 15 अगस्त 2026 को एम्पायर स्टेट बिल्डिंग ने 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स' के साथ मिलकर अपने मशहूर टॉवर की लाइटों को हरे, सफेद और नारंगी रंगों से रोशन किया। यह खास रोशनी इस साल के 'इंडिया डे' समारोह का हिस्सा थी, जिसकी थीम हार्मनी इन हेरिटेज थी। यह थीम उन साझा परंपराओं, मूल्यों और योगदानों को उजागर करती है जो भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संयुक्त राज्य अमेरिका से जोड़ते हैं। एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज ने भी एक वीडियो शेयर किया, जिसमें इस मशहूर इमारत को शानदार रंगों में नहाया हुआ दिखाया गया। यह वीडियो इस मौके का जश्न मनाने और शाम के सांस्कृतिक महत्व को दिखाने के लिए था।

इस जश्न में टेलीविजन का तड़का लगाते हुए, मशहूर भारतीय सिटकॉम 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के कलाकार असित कुमार मोदी, दिलीप जोशी, मंदार चंदवादकर और सोनालिका जोशी इस खास लाइटिंग सेरेमनी में शामिल हुए। कलाकारों ने मशहूर लाइट स्विच दबाकर इस यादगार पल में हिस्सा लिया और एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की टावर लाइट्स को आधिकारिक तौर पर तिरंगे के रंगों में रोशन किया। उनकी मौजूदगी ने जश्न में भारतीय टेलीविजन की पुरानी यादों का रंग भर दिया, जबकि उनके पारंपरिक कपड़ों ने शाम के भारतीय संस्कृति और विरासत पर केंद्रित होने को और भी खास बना दिया। बाद में ग्रुप ने बिल्डिंग के 86वें फ्लोर पर बने ऑब्ज़र्वेशन डेक से तस्वीरें खिंचवाईं और इस खास मौके का जश्न मनाते हुए न्यूयॉर्क के नजारों का आनंद लिया।

सार समाचार

अमेरिका की वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में फायरिंग, संदिग्धों ने 5 लोगों को मारी गोली

अमेरिका की वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार तड़के कई संदिग्धों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए। वहीं घटना के बाद कैंपस को लॉकडाउन करना पड़ा। फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह घटना यूनिवर्सिटी के 'क्वाड एनेक्सेस' के पास हुई, जहां कैंपस पुलिस और चेस्टरफील्ड काउंटी के अधिकारियों को कैंपस डॉर्मिटरी के बाहर पांच लोग गोली लगने से घायल अवस्था में मिले। काउंटी पुलिस ने बताया कि अधिकारी रात 1:30 बजे से ठीक पहले मौके पर पहुंचे और सुबह करीब 9 बजे लॉकडाउन हटा लिया गया। यह गोलीबारी ऐसे समय में हुई जब वर्जीनिया स्टेट का शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा है। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के अनुसार, छात्रों के लिए रेजिडेंस हॉल एक हफ़्ते पहले ही खुल गए थे और सोमवार से कक्षाएं शुरू हो रही हैं। कई छात्रों ने नए आने वाले छात्रों के लिए यूनिवर्सिटी का "न्यू ट्रोजन एक्सपीरियंस" प्रोग्राम अभी-अभी पूरा किया था। पुलिस और यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने न तो पीड़ितों की पहचान बताई है और न ही यह बताया है कि क्या वे यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। काउंटी पुलिस ने बताया कि पांचों लोगों को अस्पताल ले जाया गया। शुरुआत में जिन लोगों में से एक को जानलेवा चोटों वाला बताया गया था, उसकी हालत अब गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि बाकी लोगों को ऐसी चोटें आईं जिनसे जान का खतरा नहीं है। यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा कि गोलीबारी में "कई संदिग्ध" शामिल हैं। बयान में लोगों से शनिवार सुबह उस इलाके में न जाने को कहा गया।

बेल्जियम में लगी भीषण आग से हाहाकार, 2,000 हेक्टेयर जमीन जलकर राख

ब्रसेल्स। बेल्जियम में आग लगने से हाहाकार मच गया है। आग इतनी भीषण है कि 2,000 हेक्टेयर जमीन जलकर राख हो गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी है कि शनिवार शाम तक बेल्जियम के पूर्वी इलाके 'हाई फेन्स' में लगी देश की अब तक की सबसे भीषण आग की वजह से लगभग 2,000 हेक्टेयर वनस्पति जलाकर राख हो गई है। वालून पब्लिक सर्विस की ओर से पुष्टि की गई है कि जंगल की आग से जलने वाले सबसे बड़े इलाके का राष्ट्रीय रिकॉर्ड इस आग ने बनाया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे आग लगने के बाद लगभग 30 घंटे तक आग बुझाने का काम जारी रहा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, आस-पास के इलाकों से करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। ईयू सिविल प्रोटेक्शन मैकेनिज्म के तहत अंतरराष्ट्रीय मदद जुटाई जा रही थी।

रूस पर यूक्रेन की बड़ी एयरस्ट्राइक, 822 ड्रोनों से किया हमला, मचा हड़कंप

मॉस्को। यूक्रेन ने रविवार को रूस के कई हिस्सों में सैकड़ों ड्रोन से बड़ा हवाई हमला किया। रूस के अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हुई है। इसे युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक बताया जा रहा है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने रातभर में 822 ड्रोन नष्ट किए, जिनमें से 600 रूस की राजधानी की ओर बढ़ रहे थे। बड़े पैमाने पर हुए इस हमले के बाद रूस के कई इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। रूस में दक्षिण-पश्चिमी रोस्तोव क्षेत्र के गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने बताया कि क्षेत्र के तीन शहरों पर हुए हमलों में पांच लोगों की मौत हो गई। मॉस्को क्षेत्र में यूक्रेन का एक ड्रोन एक निजी मकान पर गिरा जिससे 83 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। इससे पहले शनिवार को रूस के दक्षिण-पश्चिमी समारा क्षेत्र में यूक्रेन ने हमला किया था जिसमें औद्योगिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। समारा के प्रमुख इवान नोस्कोव ने कहा कि वायु रक्षा बलों ने "बड़े पैमाने पर" मिसाइल हमले को विफल कर दिया, हालांकि शहर के औद्योगिक प्रतिष्ठानों को स्थानीय स्तर पर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों को मेडिकल हेल्प दी गई है, लेकिन इसके बारे में डिटेल जानकारी नहीं दी। बता दें कि यूक्रेन ने रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लंबी दूरी के हवाई हमले तेज कर दिए हैं। उसका मकसद युद्ध के लिए मॉस्को के राजस्व में कटौती करना और रूस के लोगों को हमले के परिणामों का एहसास कराना है। युद्ध अब पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

अब साउथ कोरिया से नाराज हुए ट्रंप! जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज में कटौती का दिया आदेश, जानिए वजह

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अचानक कुछ ऐसे फैसले लेते हैं जो पूरी दुनिया चौंका देती है। चाहे वेनेजुएला में अमेरिकी सेना का सैन्य ऑपरेशन हो, टैरिफ का मामला हो या फिर ईरान पर उनके बदलते रुख ने वैश्विक व्यवस्था में काफी उथल-पुथल मचाई है। अब ट्रंप ने पेंटागन को आदेश दिया है कि व साउथ कोरिया के साथ प्लान किए गए जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज में कटौती करे। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह ईरान है। ट्रंप ने कहा कि साउथ कोरिया ईरान को डीन्यूक्लियर बनाने में मदद करने से मना कर रहा है। इसके साथ ही नॉर्थ कोरिया के प्रति उन्होंने अपनी नरमदिली और किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे रिश्तों का हवाला दिया। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस हफ़्ते शुरू होने वाली एक्सरसाइज न सिर्फ़ महंगी हैं, बल्कि नॉर्थ कोरिया के लिए एक ऐसा संकेत भेजती हैं जो पूरी तरह से गलत और दुश्मनी भरा है। ट्रंप ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान कभी नॉर्थ कोरिया ने अमेरिका को धमकी नहीं दी, बल्कि सम्मानजनक व्यवहार रहा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने हाल में साउथ कोरिया के राष्ट्रपति से ईरान को परमाणु हथियारों से मुक्त कराने के अमेरिकी प्रयासों में साथ देने को कहा था, लेकिन सियोल ने इससे इनकार कर दिया। ट्रंप ने लिखा, "इसलिए, और इस बात को देखते हुए कि इसे कैंसिल करने में बहुत देर हो चुकी है, मैंने सेक्रेटरी ऑफ़ वॉर, पीट हेगसेथ को जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज़ को काफ़ी कम करने का निर्देश दिया है! मैंने हाल ही में साउथ कोरिया के प्रेसिडेंट से पूछा कि क्या वे इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान के डीन्यूक्लियराइज़ेशन में हमारा साथ देना चाहेंगे, और उन्होंने कहा, "नहीं, धन्यवाद!" राष्ट्रपति ट्रंप के इस कदम को किसी सहयोगी देश से दूरी बनाकर एक ऐसे देश के लीडर के पक्ष में खड़े होने के उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा जिसे पिछले अमेरिकी प्रशासन दुश्मन के रूप में देखते रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने ईरान के खिलाफ जंग में उम्मीद के मुताबिक समर्थन नहीं मिलने पर नाटो के सहयोगी देशों की भी आलोचना की थी।

ईरान ने फ्रांस को आंतरिक मामलों में दखल न देने की दी चेतावनी

तेहरान। ईरान के इंटेलिजेंस मंत्रालय ने फ्रांसीसी सरकार को ईरान के आंतरिक मामलों में "गैर-कानूनी दखल" के खिलाफ चेतावनी दी है। मंत्रालय ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा कि जुलाई में तेहरान में दो फ्रांसीसी राजनयिकों ने विदेशी घुसपैठ और दखलअंदाजी से जुड़े एक बड़े मामले के संदिग्धों के साथ एक गुप्त बैठक में हिस्सा लिया था। जांच के बाद, मंत्रालय ने कहा कि इन राजनयिकों का ईरान के घरेलू कानूनों और उनकी राजनयिक जिम्मेदारियों के उल्लंघन और ऐसे व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड रहा है। मंत्रालय ने कहा कि वह ईरान में विदेशी राजनयिकों को 'गैर-कानूनी दखलअंदाजी" वाली गतिविधियों में शामिल नहीं होने देगा, साथ ही चेतावनी दी कि अगर ऐसा व्यवहार दोबारा हुआ, तो उचित कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने दी। 20 जुलाई को फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने कहा था कि तेहरान में फ्रांस के दूतावास के दो अधिकारियों को हिरासत में लिया गया और उनके साथ बुरा बर्ताव किया गया। उन्होंने बताया कि दूतावास लौटने से पहले दोनों को बिना किसी वजह के कई घंटों तक हिरासत में रखा गया, उनसे पूछताछ की गई और उनमें से एक के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया गया। बैरोट ने कहा कि वे अब सुरक्षित हैं और कुछ ही घंटों में फ्रांस लौटने वाले हैं। उन्होंने कहा, "यह हमला और भी चौंकाने वाला है क्योंकि ये दोनों अधिकारी सिविल सोसायटी, खासकर ईरानी कलाकारों और वैज्ञानिकों को सपोर्ट करने वाले हमारे प्रोग्राम्स की देखरेख करते हैं।" बाद में अरागची ने बैरोट के साथ फोन पर बातचीत में विरोध जताया और कहा कि दोनों फ्रांसीसी राजनयिकों की असामान्य हरकतें राजनयिक नियमों के खिलाफ थीं और अस्वीकार्य थीं।

इंडोनेशिया में भूकंप से 53 मौतें, अब तक 995 आफ्टरशॉक भी आए, लोग घर के बाहर रात बिताने को मजबूर

इंडोनेशिया के पूर्वी हिस्से में 7.7 तीव्रता के भूकंप के कारण अब तक 53 मौतें हो चुकी हैं। भूकंप के एक दिन बाद बचाव टीमों ने रविवार को छह और शव बरामद किए। वहीं, बेघर हुए हजारों लोगों में से कई ने झटकों के डर से रात बाहर बिताई। कैथोलिक द्वीप फ्लोरेस में भूकंप के कारण भूस्खलन हुआ था। रेस्क्यू टीमों ने यहां के छह इलाकों में मलबे में लोगों की तलाश की। इस दौरान मंगराई, पूर्वी मंगराई और नागेकेओ पर विशेष ध्यान दिया गया, क्योंकि वहां पहुंचना मुश्किल था। सिक्का रीजेंसी की राजधानी मौमेरे में सर्च-एंड-रेस्क्यू ऑफिस के हेड फथुर रहमान ने कहा, "हमने ज्यादातर लैंडस्लाइड साफ कर दिए हैं और पहले से अलग-थलग पड़े गांवों की सड़कें फिर से खोल दी हैं, हालांकि कम्युनिकेशन में रुकावट और बिजली कटौती से सर्च के काम में रुकावट आ रही है।" ईस्ट नुसा तेंगारा प्रांत में 900 से ज्यादा घर तबाह हो गए और 450 और डैमेज हो गए, जिससे करीब 5,000 लोगों को टेम्पररी शेल्टर में रहना पड़ रहा है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के डिजास्टर प्रिवेंशन के चीफ अब्दुल मुहरी ने कहा कि अकेले फ्लोरेस इलाके में कम से कम 241 घर डैमेज हुए। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे ने कहा कि भूकंप शनिवार को लोकल टाइम के हिसाब से सुबह 6 बजे से कुछ देर पहले 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। सुनामी की वॉर्निंग जारी होने और बाद में हटाए जाने पर लोग घबराकर भाग गए। मुहारी ने कहा कि अधिकारियों ने तब से कम से कम 995 आफ्टरशॉक रिकॉर्ड किए हैं, लेकिन लोगों ने सिर्फ 46 महसूस किए और 135 लोग घायल हुए। इंडोनेशिया के सबसे मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन में से एक, कोमोडो नेशनल पार्क के गेटवे, लाबुआन बाजो में कई लोगों ने आफ्टरशॉक की वजह से रात बाहर बिताई। अपने टूटे-फूटे घर के पास एक अस्थायी टेंट से बात करते हुए किसान अनास्तासिया इमाद ने कहा, "झटके बहुत डरावने थे, इतने तेज कि मेरा घर लगभग गिर ही गया था।" हमें डर था कि जब हम सो रहे होंगे तो झटके से इमारतें हम पर गिर जाएंगी। लैंडस्लाइड की वजह से ट्रांस-फ्लोरेस हाईवे के कुछ हिस्से ब्लॉक हो गए, यह लगभग 700 किलोमीटर लंबी सड़क है, जो पहाड़ी द्वीप के समुदायों को जोड़ती है। इंडोनेशिया, जो 17,000 से ज्यादा द्वीपों का एक ग्रुप है, पैसिफिक "रिंग ऑफ फायर" पर होने की वजह से भूकंप और ज्वालामुखी फटने का खतरा रहता है, जो भूकंपीय फॉल्ट और ज्वालामुखियों का एक आर्क है।

250 दिन से समंदर में यूएसएस अब्राहम लिंकन, ट्रंप बोले- 'तैनाती लंबी नहीं'

वाशिंगटन। विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन की रिकॉर्ड लंबी तैनाती अमेरिकी प्रशासन के लिए सवाल बनती जा रही है। करीब नौ महीने से समुद्र में मौजूद इस युद्धपोत के चालक दल की मानसिक सेहत और जहाज पर कथित खराब होती सुविधाओं को लेकर अमेरिकी सैन्यकर्मियों के परिवारों और सांसदों ने चिंता जताई है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन चिंताओं पर कहा कि जहाज की तैनाती उनके हिसाब से "काफी लंबी नहीं, बल्कि पर्याप्त भी नहीं हुई है।" यूएसएस अब्राहम लिंकन करीब 5,000 सैन्यकर्मियों के साथ 250 से ज्यादा दिनों से समुद्र में है और इस दौरान उसने लंबे समय तक किसी बंदरगाह पर ठहराव नहीं किया है। रिपोर्टों के मुताबिक यह अमेरिकी नौसेना के लिए आधुनिक दौर की असाधारण रूप से लंबी तैनाती है। जहाज ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी सैन्य अभियानों के समर्थन में मध्य पूर्व में तैनात है। यूएसएस अब्राहम लिंकन को लेकर विवाद तब गहराया जब जहाज पर तैनात कुछ नाविकों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि कुछ नाविकों ने समुद्र में छलांग लगाने की कोशिश की। अमेरिकी सांसदों और सैन्य परिवारों ने जहाज पर लंबे समय तक लगातार तैनाती के असर की जांच की मांग की है। हालांकि, अमेरिकी नौसेना ने आत्महत्या की प्रवृत्ति में किसी वृद्धि की पुष्टि नहीं की है। रक्षा विभाग ने भी जहाज की स्थिति को लेकर सामने आई कुछ रिपोर्टों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाने की बात कही है। 14 अगस्त को पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने यूएसएस अब्राहम लिंकन की लंबी तैनाती को लेकर कहा कि यह "अभी लगभग पर्याप्त लंबी नहीं हुई है।" ट्रंप ने हालांकि यह भी पुष्टि की कि लिंकन को जल्द ही एक दूसरे विमानवाहक पोत से बदला जाएगा। अमेरिकी प्रशासन के अनुसार यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को उसकी जगह मध्य पूर्व भेजा जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तीन पत्रों की चिट्ठी साझा करते हुए तैनाती, तैयारी और सेहत को लेकर कुल 6 सवाल पूछे थे।

इंडोनेशिया में 6.5 तीव्रता का एक और भूकंप, कुछ घंटे पहले आए भूकंप ने ली 40 की जान

CBS न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार दोपहर इंडोनेशिया में 6.5 तीव्रता का एक और जबरदस्त भूकंप आया। इससे कुछ घंटे पहले ही सुबह 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप से कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई थी और सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के अनुसार, भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 4:24 बजे 165 किलोमीटर की गहराई पर आया। इसका केंद्र 3.043 N अक्षांश और 99.105 E देशांतर पर था। NCS ने X पर एक पोस्ट में कहा, "भूकंप की तीव्रता 6.5 रही, जबकि समय 15 अगस्त को 16:24:50 IST बजे। भूकप का केंद्र अक्षांशः 3.043 N, देशांतरः 99.105 E पर रहा, भूकंप की गहराई 165 किमी रहा।" दरअसल, इससे पहले शनिवार तड़के इंडोनेशिया के तट पर 7.7 तीव्रता का ज़बरदस्त भूकंप आया, जिसमें कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई। इस भूकंप में कई इमारतें भी ढह गईं। वहीं खतरनाक भूकंपों के लिए जाने जाने वाले इस इलाके में दहशत फैल गई है। अधिकारियों ने बताया कि दर्जनों लोग भूकंप की वजह से घायल हुए हैं। इसके साथ ही अधिकारियों ने सुनामी की चेतावनी भी जारी की। अधिकारियों ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने को कहा, लेकिन बाद में चेतावनी वापस ले ली। इंडोनेशिया की मौसम विभाग एजेंसी ने कहा कि निगरानी में समुद्र के जलस्तर में कोई खास बदलाव नहीं दिखा, जिससे तटीय आबादी को खतरा हो। ईस्ट नुसा तेंगारा के पुलिस प्रमुख रूडी डारमोको ने बताया कि भूकंप से भारी नुकसान हुआ है और कई इमारतें ढह गई हैं।

कतर ने पकड़े ईरान के 3 फाइटर पायलट, 6 महीने से कर रखा है कैद

Middle East में ईरान-अमेरिका में जारी संघर्ष के बीच बड़ी खबर आई है। दरअसल, ईरान की फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी ने आज (शनिवार को) बताया कि कतर में अमेरिकी बेस पर हमला करते वक्त मार्च में ईरान के दो Su-24 फाइटर जेट गिराए जाने के बाद, कतरी सेना ने उनके 3 मिलिट्री पायलटों को दबोच लिया था। कतर ने अब तक तीनों पायलटों को ना तो आपस में मिलने दिया है और ना ही उनकी सेहत के बारे में कोई जानकारी दे रहा है। फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक, आर्म्ड फोर्स के जनरल स्टाफ की 'Search Committee for the Missing' के कमांडर मोहम्मद बाघरजादेह ने कहा कि इन 3 पायलटों की पहचान जवाद सालेही, अब्दुल-मजीद दश्तियन और इमरान बेह्तुशियन के रूप में हुई है। कतरी सेना पिछले 6 महीनों से इन तीनों को कैद में रखे हुए है। कमांडर मोहम्मद बाघरजादेह ने दावा किया कि कतर की सरकार ने अभी तक इन तीनों पायलटों को एक-दूसरे से मिलने, अपने परिजनों या इन मामले को देख रहे ईरानी अधिकारियों से संपर्क करने की अनुमति नहीं दी है। अब ईरानी अधिकारी ने ये डिमांड की है कि 'इंटरनेशनल कमिटी ऑफ द रेड क्रॉस' को कतर की कैद में मौजूद पायलटों से मिलने की इजाजत दी जाए। 'फ़ार्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, "तीसरे जिनेवा कन्वेंशन के अंतर्गत, इंटरनेशनल रेड क्रॉस को कतर में ईरानी पायलटों से जल्द से जल्द मिलना चाहिए, उनके स्वास्थ्य की जांच करनी चाहिए और उनकी रिहाई के लिए जरूरी हालात बनाने में सहायता करनी चाहिए।" हालांकि, ईरान के इस दावे पर कतर की तरफ से तुरंत कोई रिएक्शन नहीं आया है।

जिम्बाब्वे में फेरी पलटने से 72 लोगों की मौत, इनमें 18 बच्चे भी शामिल, 90 की जगह 153 लोगों को ले जा रही थी नाव

जिम्बाब्वे में इस हफ्ते करीबा झील पर एक ओवरलोडेड फेरी पलटने से 70 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जिसमें अठारह बच्चे भी शामिल हैं। शनिवार को रेस्क्यू टीम ने कई अन्य यात्रियों की लाशें बरामद कीं। इसके बाद पुलिस ने 72 मौतों की पुष्टि की। यह फेरी मंगलवार को तेज लहरों में पलट गई थी। पुलिस ने कहा कि 26 और लाशें बरामद की गई हैं, जिससे मरने वालों की संख्या 72 हो गई है।

इसी महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया में भी बोट में आग लगने से बड़ा हादसा हुआ था। यह पुरानी फेरी करीबा शहर से देश के उत्तर-पश्चिम में ग्रामीण और मछली पकड़ने वाले समुदायों की ओर जा रही थी, जहां सड़कें खराब हैं और पब्लिक ट्रांसपोर्ट कम है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि कितने लोग सवार थे या कितने लापता हैं। यह हादसा मंगलवार को हुआ था।

हादसे का शिकार हुई नाव का संचालन एक सरकारी एजेंसी कर रही थी। इस नौका का इस्तेमाल करिबा झील के आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोगों को तट पर स्थित करिबा शहर तक ले जाने के लिए किया जाता है। अनुमान है कि यात्रियों की संख्या 153 तक है, जबकि अधिकारियों का कहना है कि फेरी की क्षमता 90 है।

जिम्बाब्वे की डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी ने कहा है कि 77 लोगों को बचाया गया। अधिकारी ने बताया कि 77 लोगों को बचाकर झील के एक छोटे द्वीप पर पहुंचा दिया गया और उन्हें वापस लाने के लिए नौकाएं भेजी गईं। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि सवार बच्चों की संख्या पता नहीं थी, क्योंकि टिकट लेने की उम्र से कम उम्र के बच्चों को यात्रियों के अनुमान में शामिल नहीं किया गया था।

खेल समाचार

WTC 2025-27 की प्वाइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलिया पर मंडराया नंबर-1 की कुर्सी गंवाने का खतरा

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को टेस्ट फॉर्मेट में उसके घर पर हराना किसी भी टीम के लिए कभी आसान काम नहीं रहा है, लेकिन बांग्लादेश ने 16 अगस्त की सुबह जो कर दिया वह अब इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है। 23 साल के लंबे अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलने पहुंची बांग्लादेश की टीम ने डार्विन के मैदान पर खेले गए पहले मुकाबले को चार दिनों के अंदर ही खत्म करने के साथ उसे 9 विकेट से अपने नाम कर लिया। बांग्लादेश की इस जीत से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की प्वाइंट्स टेबल में टीमों की पोजीशन में तो कई बदलाव नहीं देखने को मिला है लेकिन कंगारू टीम की नंबर-1 पोजीशन पर खतरा जरूर अब मंडराने लगा है जिसपर पर वह इस संस्करण की शुरुआत होने से अब तक काबिज हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका को लेकर बात की जाए तो बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला गंवाने की वजह से ऑस्ट्रेलिया को उसके अंकों के प्रतिशत में नुकसान का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी भी पहली पोजीशन पर काबिज है जिसमें अब उसके अंकों का कुल प्रतिशत 77.78 हो गया है। वहीं दूसरे नंबर पर WTC 2025-27 की प्वाइंट्स टेबल में मौजूदा चैंपियन साउथ अफ्रीका की टीम है जिसके अभी कुल 75 अंक प्रतिशत हैं।

हॉकी वर्ल्ड कप: ड्रॉ रहा भारतीय महिला टीम का पहला मुकाबला, चीन को 2-2 की बराबरी पर रोका

एमस्टेलवीन। हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले मैच में रविवार को भारतीय महिला टीम ने चीन के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। भारत के लिए नवनीत और दीपिका ने गोल दागे, जबकि चीन की तरफ से झांग यिंग और मा निंग ने एक-एक गोल किए। एमस्टेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ड्रॉ के साथ दोनों टीमों ने एक-एक अंक हासिल किया। मुकाबले में भारत ने अच्छी शुरुआत की। लालरेम्सियामी ने 5वें मिनट में टीम को पेनाल्टी कॉर्नर दिलाया। नवनीत ने शॉट लिया, लेकिन वह गोल नहीं कर सकीं। हालांकि, आठवें मिनट में उन्होंने नेहा के पास पर गोल करके खाता खोला, लेकिन इसके बाद पेरिस ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट चीन ने बराबरी कर ली, जब भारत की शिल्पी डबास को सर्कल के अंदर फाउल के लिए पेनाल्टी स्ट्रोक मिला और झांग यिंग ने उसे गोल में बदल दिया। दीपिका ने 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिसके बाद भारत ने एक बार फिर से बढ़त हासिल कर ली। सलीमा टेटे की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 21वें मिनट में भी पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे गोल नहीं कर पाए। हालांकि, चार मिनट बाद दीपिका ने दाईं ओर से तेजी से आगे बढ़ते हुए पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया और उसे गोल में बदल दिया। दीपिका के ड्रैग-फ्लिक से एक चीनी डिफेंडर को चोट लगने के बाद इस गोल को वीडियो अंपायर के पास भेजा गया; हालांकि, गोल को मान्यता दे दी गई।

महिला टी20 एशिया कप के लिए पाकिस्तानी टीम का हुआ ऐलान, फातिमा सना संभालेंगी कप्तानी की जिम्मेदारी

महिला टी20 एशिया कप का आयोजन इस बार दुबई में हो रहा है जिसमें कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनको 4-4 के दो ग्रुप में बांटा गया है। इसमें एक नाम पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम का भी शामिल है जिनको टूर्नामेंट में ग्रुप-ए में भारतीय महिला टीम के साथ शामिल किया गया है। 28 अगस्त से शुरू होने वाले महिला टी20 एशिया कप को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 15 सदस्यीय महिला स्क्वाड का ऐलान कर दिया है, जिसमें फातिमा सना एकबार फिर से कप्तानी की जिम्मेदारी संभालते हुए दिखाई देंगी। फातिमा ने श्रीलंका दौरे पर खेली गई टी20 सीरीज में हिस्सा नहीं लिया था, जिसमें वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स की तरफ से उस समय खेलने गईं हुई थी। पाकिस्तानी महिला टीम को आगामी महिला टी20 एशिया कप में अपना पहला मुकाबला एक सितंबर को थाईलैंड महिला टीम के खिलाफ खेलना है, वहीं इसके बाद उनका सामना 5 सितंबर को भारतीय महिला टीम से होगा। वहीं उनके स्क्वाड को लेकर बात की जाए तो उसमें कप्तान फातिमा सना के अलावा सादिया इकबाल और गुल फिरोजा की वापसी हुई है। सादिया को जहां श्रीलंका दौरे पर शामिल नहीं किया गया था, तो वहीं गुल फिरोजा टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तानी महिला स्क्वाड का हिस्सा नहीं थी। एशिया कप 2026 के लिए पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने रिजर्व खिलाड़ियों के नामों का भी ऐलान किया है जिसमें तस्मिया रुबाब, हुमना बिलाल, महाम अनीस, सदाफ शमास का नाम शामिल है। फातिमा सना (कप्तान), आयशा जफर, ईमान नसीर, एमान फातिमा, गुल फिरोजा, मोमिना रियासत, मुनीबा अली सिद्दीकी (विकेटकीपर), नजीहा अल्वी, नशरा संधू, सादिया इकबाल, सायरा जबीन, शावल जुल्फिकार, तूबा हसन, उम्म ए हानी, वहीदा अख्तर।

आखिरी तीन बॉल पर चाहिए थे तीन रन, फिर जॉस बटलर की कप्तानी वाली टीम ने किया कमाल

आखिरी तीन बॉल पर टीम को तीन रन चाहिए हों, लेकिन इसके बाद भी दो बॉल शेष रहते हुए मैच जीत लिया गया हो, ऐसा कम ही दिखाई देता है, लेकिन ये करिश्मा द हंड्रेड टूर्नामेंट में देखने के लिए मिला है। इस लीग का फाइनल मुकाबला ट्रेंट रॉकेट्स और मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के बीच खेला गया। जॉस बटलर की कप्तानी में सुपर जायंट्स ने पहली बार इस खिताब को अपने नाम करने में सफलता हासिल की है। फाइनल मैच में कमाल का खेल देखने के लिए मिला। महिला हंड्रेड लीग का खिताब ट्रेंट रॉकेट्स ने जीत लिया है। द हंड्रेड का फाइनल मैच ट्रेंट रॉकेट्स और मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रेंट रॉकेट्स ने 100 बॉल पर 8 विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। टीम के लिए कोई बल्लेबाज 50 का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। एन्यूरिन डोनाल्ड ने 19 बॉल पर 38 रनों की एक अच्छी पारी खेली। इसके बाद जब मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की टीम रनों का पीछा करने के लिए उतरी तो टिम साइफर्ट ने 39 बॉल पर 72 रनों की धमाकेदार पारी खेली। हालांकि इसके बाद टीम की गाड़ी पटरी से उतर गई। जब 97 बॉल का खेल हो गया, तब टीम को आखिरी तीन बॉल पर तीन रन की जरूरत थी। मैच काफी हद तक फंसा हुआ नजर आ रहा है। 98वीं बॉल पर लियाम डॉसन ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। ये पहली बार है, जब सुपर जायंट्स ने किसी टी20 टूर्नामेंट को अपने नाम किया है। ये आईपीएल की एलएसजी यानी लखनऊ सुपर जायंट्स की ही टीम है। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की टीम की कमान जॉस बटलर के हाथ में है और उन्होंने टीम को ट्रॉफी जिता दी। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की टीम साल 2022 और 2023 में रनरअप रही थी, लेकिन खिताब से एक कदम से चूक गई थी, लेकिन अब टीम ने इस सूखे को आखिरकार खत्म करने में सफलता हासिल कर ली है। जॉस बटलर इससे पहले टी20 विश्व कप का खिताब भी अपनी कप्तानी में टीम को जिता चुके हैं और अब एक और टी20 लीग जीत ली है। फाइनल मुकाबले में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही थी, लेकिन टिम साइफर्ट ने एक छोर संभालते हुए टीम की उम्मीदों को बनाए रखा। उनकी 39 गेंदों में 72 रन की शानदार पारी ने लक्ष्य का पीछा करने की नींव मजबूत की। हालांकि, उनके आउट होने के बाद मुकाबला अचानक रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया और ट्रेंट रॉकेट्स के गेंदबाजों ने दबाव बनाना शुरू कर दिया। 97 गेंदों का खेल पूरा होने के बाद मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को जीत के लिए तीन गेंदों पर सिर्फ तीन रन चाहिए थे। ऐसे समय में आमतौर पर बल्लेबाज जोखिम से बचते हुए मैच को सुरक्षित तरीके से खत्म करने की कोशिश करता है, लेकिन लियाम डॉसन ने 98वीं गेंद पर बड़ा शॉट खेलकर सीधे छक्का जड़ दिया। इस छक्के के साथ ही सुपर जायंट्स ने दो गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस रोमांचक जीत के साथ मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने द हंड्रेड के इतिहास में अपना पहला खिताब हासिल किया। टीम इससे पहले 2022 और 2023 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन दोनों मौकों पर उसे उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा था। इस बार टीम ने पिछले दोनों फाइनल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। बटलर पहले भी अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीत चुके हैं और अब द हंड्रेड का खिताब भी उनके नाम हो गया है।

महिला हंड्रेड में ट्रेंट रॉकेट्स का धमाका, सनराइजर्स लीड्स को 8 विकेट से रौंदकर पहली बार बनी चैंपियन

एश्ले गार्डनर की कप्तानी में ट्रेंट रॉकेट्स ने लॉर्ड्स में खेले गए महिला हंड्रेड के फाइनल में सनराइजर्स लीड्स को एकतरफा अंदाज में 8 विकेट से हराकर पहली बार खिताब अपने नाम कर लिया। पहले गेंदबाजी करते हुए रॉकेट्स ने सनराइजर्स को महज 91 रन पर समेट दिया और फिर 46 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। लीग स्टेज में 8 में से 7 मुकाबले जीतने वाली ट्रेंट रॉकेट्स ने फाइनल में भी अपने फेवरेट होने की वजह साबित कर दी। सनराइजर्स की टीम पूरे मैच में दबाव से बाहर नहीं निकल सकी। सनराइजर्स लीड्स की शुरुआत बेहद खराब रही। फोएबे लिचफील्ड ने पारी की शुरुआत में सामंथा बेट्स के खिलाफ चौका और छक्का लगाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन किम गर्थ ने लगातार गेंदों पर बायरनी स्मिथ और लॉरेन विनफील्ड-हिल को आउट कर दिया।लिचफील्ड भी ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और सनराइजर्स का स्कोर 24/3 हो गया। इसके बाद एनाबेल सदरलैंड और भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने 32 रन की अहम साझेदारी कर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकालने का प्रयास किया। हालांकि, दीप्ति के बोल्ड होते ही सनराइजर्स की पारी फिर लड़खड़ा गई। चार गेंद बाद जॉर्जिया एडम्स ने सदरलैंड को स्टंप कर दिया। इसके तीन गेंद बाद जेस जोनासन रन आउट होकर खाता भी नहीं खोल सकीं। इसके बाद विकेटों का सिलसिला थमा नहीं। सामंथा बेट्स भी जल्द लौट गईं। डेनियल गिब्सन ने चार चौकों की मदद से टीम के स्कोर को 100 के करीब पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रॉकेट्स के गेंदबाज लगातार विकेट निकालते रहे और पूरी टीम 91 रन पर ऑलआउट हो गई। 92 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी ट्रेंट रॉकेट्स की सलामी जोड़ी ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। सोफिया डंकली ने केट क्रॉस की गेंद को डीप मिडविकेट के ऊपर से छक्के के लिए भेजा और फिर जेस जोनासन के खिलाफ भी स्लॉग स्वीप लगाकर गेंद बाउंड्री के बाहर पहुंचा दी। बेथ मूनी ने भी कासिडी मैकार्थी के खिलाफ लगातार दो चौके जड़कर अपना खाता खोला। एलिमिनेटर की प्लेयर ऑफ द मैच हन्ना बेकर भी रॉकेट्स की बल्लेबाजों को रोक नहीं सकीं।

फुटबॉल से रिटायरमेंट लेने की तैयारी में क्रिस्टियानो रोनाल्डो? बोले- शायद मेरा आखिरी साल

फुटबॉल की दुनिया में एक युग के खत्म होने की आहट सुनाई देने लगी है। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने संन्यास को लेकर अब तक का सबसे बड़ा संकेत दिया है। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर ने कहा है कि मौजूदा सीजन बतौर खिलाड़ी उनका आखिरी साल हो सकता है। 41 साल के रोनाल्डो का अल नासर के साथ कॉन्ट्रैक्ट जून 2027 तक है। हालांकि, वह पहले भी कई बार मान चुके हैं कि उनका खेल करियर अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच रहा है, लेकिन उन्होंने कभी संन्यास की कोई निश्चित तारीख नहीं बताई थी। अब वोग को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि यह शायद फुटबॉल में उनका आखिरी साल है और वह एक शानदार विरासत छोड़ना चाहते हैं। रोनाल्डो ने पिछले साल नवंबर में भी कहा था कि वह एक या दो साल और खेल सकते हैं। उन्होंने यह भी साफ किया था कि 2026 का वर्ल्ड कप उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। पिछले महीने स्पेन के खिलाफ हार के बाद पुर्तगाल फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गया था। हालांकि, तब रोनाल्डो ने यह बताने से इनकार कर दिया था कि वह पूरी तरह फुटबॉल को कब अलविदा कहेंगे। रोनाल्डो ने बताया कि उन्होंने फुटबॉल के बाद की जिंदगी को लेकर पहले से योजना बनानी शुरू कर दी है। अब वह अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहते हैं और मैदान से बाहर की जिंदगी का आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि फुटबॉल छोड़ने के बाद जिंदगी में पैदा होने वाले खालीपन को कई अलग-अलग गतिविधियों से भरना होगा। रोनाल्डो ने यात्रा करने, पैडल खेलने और देखने जैसी चीजों का जिक्र करते हुए कहा कि वह अपनी उपलब्धियों का आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 25 साल उनके लिए त्याग और कड़ी मेहनत से भरे रहे हैं। ऐसे में अब जिंदगी के दूसरे पहलुओं को समय देना भी जरूरी है। रोनाल्डो के इस बयान से इस साल उनके रिटायरमेंट का साफ संकेत मिल रहा है। रोनाल्डो ने स्पोर्टिंग सीपी से अपने करियर की शुरुआत की थी।

ऋषभ पंत ने फिर दोहराई वही पुरानी गलती, खराब शॉट खेलकर गंवाया विकेट

भारत और श्रीलंका के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और खराब शॉट खेलकर आउट हुए। देवदत्त पडिक्कल के साथ दूसरे दिन बल्लेबाजी करने उतरे पंत शुरुआत में अच्छी लय में दिखाई दिए। पंत के बल्ले से रन आ रहे थे और वह क्रीज पर सेट भी दिख रहे थे। हालांकि, बड़ा शॉट लगाने की चाहत में पंत अपना विकेट तोहफे में देकर चलते बने। 39 के स्कोर पर केशरा नुवानथा की गेंद पर पंत ने आगे बढ़कर छक्का लगाने के इरादे से हवाई शॉट खेला, लेकिन गेंद और बल्ले का अच्छा संपर्क नहीं हुआ और बॉल बैट का भारी किनारा लेकर फील्डर के हाथों में चली गई। पवेलियन लौटते समय पंत खुद अपने शॉट से निराश नजर आए। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है कि जब पंत इस तरह का खराब शॉट खेलकर पवेलियन लौटे हैं। अच्छी शुरुआत करने के बाद बड़ा शॉट खेलने की जल्दबाजी में पंत अक्सर अपना विकेट गंवा देते हैं। हालांकि, देवदत्त पडिक्कल ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से टेस्ट के दूसरे दिन हर किसी को प्रभावित किया।

हॉकी वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने किया शानदार आगाज, वेल्स को 3-1 के अंतर से दी मात

भारतीय हॉकी टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे हॉकी वर्ल्ड कप में जीत के साथ आगाज करते हुए अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। पूल-डी में शामिल भारतीय टीम का 15 अगस्त को पहला मैच वेल्स की टीम के खिलाफ था, जिसमें उन्होंने इस मैच को 3-1 के अंतर से अपने नाम किया। टीम इंडिया ने पहले 2 क्वार्टर में ही 2-0 की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद मुकाबला खत्म होने तक अपने दबाव को बरकरार रखा हुआ था। भारतीय टीम के लिए इस मैच में जीत दिलाने में अहम भूमिका कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने निभाई जो दो गोल करने में कामयाब रहे। वेल्स के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत होने के साथ भारतीय टीम की तरफ से पहले क्वार्टर के 7वें मिनट में सुमित ने गोल करने के साथ 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 10वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार ड्रैग-फ्लिक से गोल करते हुए बढ़त को 2-0 पहुंचा दिया।

पहले हाफ का खेल खत्म होने पर भारतीय टीम मुकाबले में 2-0 से आगे थी। वहीं दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया ने थोड़ा सुरक्षात्मक रवैया अपनाया और ना कोई गोल किया ना ही वेल्स की टीम को मैच में खाता खोलने का मौका दिया।

हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम का दमदार आगाज, ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट चीन को 2-2 पर रोका

हॉकी वर्ल्ड कप के अपने पहले ही मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने बता दिया कि इस बार उसकी नजरें सिर्फ हिस्सा लेने पर नहीं, बल्कि बड़ी टीमों को चुनौती देने पर हैं। कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने 16 अगस्त को एम्सटेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में मौजूदा ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट चीन को 2-2 की बराबरी पर रोककर टूर्नामेंट का शानदार आगाज किया। भारत की ओर से नवनीत और दीपिका ने गोल दागे। मुकाबले में भारतीय टीम ने दो बार बढ़त बनाई, लेकिन चीन ने हर बार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। आखिरी क्वार्टर में दोनों टीमों ने निर्णायक गोल के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली और मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ। इससे पहले भारतीय मेन्स टीम ने वेल्स को हराकर टूर्नामेंट में जीत से अपने अभियान का आगाज किया। भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। पांचवें मिनट में लालरेमसियामी ने भारत के लिए पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। नवनीत ने शॉट लिया, लेकिन चीन के डिफेंस ने उसे रोक दिया। हालांकि, तीन मिनट बाद भारत ने अपना खाता खोल दिया। आठवें मिनट में नेहा के शानदार पास पर नवनीत ने गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारत की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिक सकी। शिल्पी दहिया पर सर्कल के अंदर फाउल का आरोप लगा और चीन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। झांग यिंग ने इस मौके को भुनाते हुए स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने फिर दबाव बनाना शुरू किया। 21वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन टीम उसे गोल में नहीं बदल सकी। इसके चार मिनट बाद दीपिका ने दाईं ओर से शानदार मूव बनाया और भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। दीपिका ने इस बार कोई गलती नहीं की और अपने ड्रैग-फ्लिक से गेंद को गोल के अंदर पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में चीन ने अपने खेल की रफ्तार बढ़ा दी।

क्या कैंसर अचानक होता है? अगर आपके मन में भी उठता है ये सवाल, तो डॉक्टर से जानें सही जवाब

कैंसर ऐसी बीमारी है जिसे समझना अभी भी आम लोगों के लिए मुश्किल है। कई बार हेल्दी और फिट लोगों को अचानक से तीसरी और चौथी स्टेज का कैंसर हो जोता है। ऐसे में हर व्यक्ति के मन में सवाल आता है कि क्या कैंसर अचानक होता है? सच्चाई यह है कि कैंसर एक दिन में नहीं होता बल्कि हमारे शरीर में कोशिकाओं में धीरे-धीरे होने वाले असामान्य बदलावों से विकसित होता है। डॉक्टर अक्षत मलिक (सीनियर कंसल्टेंट-हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी, अपोलो हॉस्पिटल्स, दिल्ली) ने बताया समय-समय पर कैंसर की स्क्रीनिंग खतरे से आपको बचा सकती है। कैंसर का कोई भी लक्षण नजर आए तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। समय पर सही इलाज मिलने से कैंसर से बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। डॉक्टर अक्षत मलिक ने बताया कि सबसे पहले आपका जानना जरूरी है कि कैंसर होता है। डॉक्टर्स की मानें तो कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसमें शरीर की कुछ कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। ये कोशिकाएं एक ट्यूमर (Tumor) का रूप ले लेती हैं और धीरे-धीरे शरीर के अन्य हिस्सों में ये कोशिकाएं फैल जाती है। हालांकि ऐसा जरूरी नहीं है कि हर ट्यूमर कैंसर हो, कई बार कुछ ट्यूमर नॉन कैंसरस होते हैं। आम लोगों के मन में ये सवाल सबसे ज्यादा आता है कि आखिर कैंसर क्यों होता है। किन वजहों से इंसान कैंसर की चपेट में आता है। डॉक्टर्स की मानें तो कैंसर का कोई एक कारण नहीं है। ये आपकी लाइफस्टाइल, जैविक और आनुवंशिक कारणों से जुड़ा हो सकता है। इतना ही नहीं बढ़ती उम्र की वजह से भी कैंसर का खतरा होता है। उम्र के साथ कुछ कोशिकाओं में बदलाव आने लगता है, जो कैंसर के जोखिम को बढ़ाती हैं। इसके अलावा अगर परिवार में किसी को कैंसर रहा है।

कार्डियक अरेस्ट से कैसे बचें, जानिए अचानक से रुक जाए दिल की धड़कन तो कैसे बचाएं जान

अनियमित दिनचर्या और डाइट में बरती गई लापरवाही जानलेवा हो सकती है। जी हां पिछले कुछ समय में सडन कार्डियक अरेस्ट के मामले तेजी से बढ़े हैं। हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट की बड़ी वजह हमारी खराब होती लाइफस्टाइल बन रही है। Cardiac Arrest हार्ट अटैक से काफी अलग है हालांकि आम लोग दोनों को एक जैसा ही मानते हैं। शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ भुमेश त्यागी के मुताबित कार्डियक अरेस्ट में हार्ट अचानक काम करना बंद कर देता है। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे अनियमित हार्ट रिदम, Electrocution और ट्रॉमा जैसे कई कारण हो सकते हैं। कार्डियक अरेस्ट एक इलेक्ट्रिकल समस्या है जो हार्ट की पंपिंग क्रिया को रोक देती है। अगर समय पर इलाज और सीपीआर मिल जाए तो मरीज की जान बचाई जा सकती है। कुछ बातों का ख्याल रखने से कार्डियक अरेस्ट के खतरे को कम किया जा सकता है।

नियमित व्यायाम करें- आजकल फिटनेस कम होने के कारण कई बीमारियां शरीर में पैदा होने लगी हैं। मोटापे के वजह से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट संबंधी बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। ये समस्याएं शरीर में कार्डियक अरेस्ट की वजह बन सकती है। इसलिए रोजाना कोई न कोई एक्सरसाइज जरूर करें।

हेल्दी डाइट- स्वस्थ रहने के लिए डाइट का खास ख्याल रखें। खाने में ज्यादा से ज्यादा फल, सब्जियां, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन और हेल्दी फैट्स को शामिल करें। डाइट से आपकी सेहत पर सीधा असर पड़ता है। इसलिए क्या खा रहे हैं इसका ख्याल जरूर रखें।

स्वस्थ वजन रखें- मोटापा यानि बीमारियों की शुरुआत, इसीलिए डॉक्टर्स वजन को कंट्रोल करने की सलाह देते हैं। अधिक वजन या मोटापा होने से हृदय रोग और कार्डियक अरेस्ट का खतरा बढ़ जाता है। ओबेसिटी के मरीज को हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट और दूसरी बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है।

स्मोकिंग छोड़ दें- धूम्रपान करने से न सिर्फ फेफड़े खराब होते हैं बल्कि इससे हार्ट से जुड़ी समस्याएं भी होती है। धूम्रपान करने से कार्डियर अरेस्ट का खतरा बढ़ता है वहीं कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां पैदा होती हैं। इसलिए धूम्रपान की लत छोड़ दें और शराब भी बहुत कम पिएं।

तनाव को दूर रखें- भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को तनाव की समस्या काफी परेशान करने लगी है। इसलिए किसी भी तरह अपने तनाव को कंट्रोल रखें।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने बताया क्या है इस्तेमाल का सही तरीका

कॉफी का सेवन लोग आमतौर पर सुबह के समय नींद दूर करने या एनर्जी बूस्ट करने के लिए पीते हैं। क्लिनिकल स्टडीज़ के मुताबिक, कॉफ़ी के अंदर एक हज़ार से ज्यादा कॉम्प्लेक्स बायोएक्टिव कम्पाउंड होते हैं। जब आप बिना चीनी और दूध के इसका सेवन करते हैं तो इससे आपकी लिवर को कई फायदे मिल सकते हैं। दरअसल, लिवर की सफाई के लिए लोग डिटॉक्स ड्रिंक का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आप फैटी लिवर के मरीज हैं तो कॉफ़ी का सेवन इसे रिवर्स कर सकता है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य ने अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि ब्लैक कॉफ़ी के फायदे और सेवन का सही तरीका बताया है।

फैटी लिवर करता है कंट्रोलः जब आप ब्लैक कॉफ़ी पीते हैं तब ये कॉम्प्लेक्स बायोएक्टिव कम्पाउंड जैसे क्लोरोजेनिक एसिड और पॉलीफेनोल्स लिवर तक पहुंचकर ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करते हैं और फैट जमने की प्रक्रिया को रोकते हैं, और लिवर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं।

लिवर की सूजन को करता है कंट्रोलः बिना चीनी और क्रीम वाली ब्लैक कॉफी लिवर की सूजन और फैट को कम करने में मददगार होती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और कैफीन लिवर एंजाइम को सुधारते हैं और फाइब्रोसिस के खतरे को धीमा करते हैं।

लिवर एंज़ाइम को रेगुलेट करने में मददगारः ब्लैक कॉफी मरीजों को एसजीपीटी (SGPT) या एसजीओटी (SGOT) एंजाइम के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक हो सकती है। ये लिवर के मेटाबॉलिक लोड्स को भी कंट्रोल करता है।

बता दें दो से तीन कप कॉफ़ी में 300 से 400 मिलीग्राम कैफीन होता है। इससे ज्यादा आपको कॉफ़ी का सेवन नहीं करना चाहिए।

मीट से ज्यादा इन सब्जियों में होता है प्रोटीन, शरीर को फिट रखने के लिए वेजिटेरियन लोग जरूर खाएं

प्रोटीन हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। मांसपेशियों को मजबूत बनाने और वजन घटाने के लिए प्रोटीन की जरूरत होती है। नॉनवेज में काफी मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है, वहीं दूसरी ओर वेजिटेरियन लोग प्रोटीन का सोर्स खोजते रहते हैं। ज्यादातर शाकाहारी लोगों के शरीर में प्रोटीन की मात्रा कम होने लगती है। क्योंकि सब्जियों में मीट की तुलना में कम प्रोटीन होता है। हालांकि आप कुछ प्लांट बेस्ड सब्जियां और अनाज डाइट में शामिल कर प्रोटीन की कमी को दूर कर सकते हैं। शाकाहारी लोगों के लिए बीन्स, मटर, नट्स, बीज, साबुत अनाज जैसी कई चीजें हैं जो प्रोटीन की कमी को दूर करती हैं। सब्जियां खाकर भी शरीर में प्रोटीन की कमी को पूरा किया जा सकता है। प्रोटीन के लिए आप डाइट में भुट्टा, ब्रोकोली, एस्पैरेगस, ब्रसल स्प्राउट, फलियां, काले सेम, चना, मूंग, मटर, सोयाबीन, मूंगफली, सोया उत्पाद जैसे टोफू खा सकते हैं। शकाहारी लोगों के लिए नट्स भी प्रोटीन का अच्छा सोर्स है। इसके लिए आप बादाम, पिस्ता, काजू, अखरोट, सीड्स, कद्दू के बीज, सूरजमुखी के बीज, तिल, चिया सीड्स, पटसन के बीज, साबुत अनाज को डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। डाइट में जो भी अनाज शामिल करते हैं उससे भी शरीर को प्रोटीन मिलता है। इसके लिए आप गेहूं, किनोआ, चावल, बाजरा, जई, रागी जैसे अनाज को शामिल कर सकते हैं। बाजरा हाई प्रोटीन डाइट है। इसके अलावा दालों में भी प्रोटीन की अच्छी मात्रा पाई जाती है। खासतौर से अरहर की दाल हाई प्रोटीन वाली होती है। इसके अलावा शाकाहारी डाइट में दूध, दही, पनीर और छाछ जैसे डेयरी उत्पाद भी प्रोटीन की जरूरत पूरी करने में मदद कर सकते हैं। खासतौर पर पनीर और ग्रीक योगर्ट जैसे विकल्पों में प्रोटीन की मात्रा अपेक्षाकृत अच्छी होती है। इन्हें नाश्ते, लंच या शाम के स्नैक के रूप में डाइट में शामिल किया जा सकता है। सोयाबीन और इससे बने खाद्य पदार्थ शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन के अच्छे विकल्प माने जाते हैं। सोया चंक्स, टोफू और टेम्पेह को सब्जियों या सलाद के साथ खाया जा सकता है। इनमें मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों की मरम्मत और शरीर की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है।

इस बीमारी के मरीजों के लिए फायदेमंद है काजू, जानें कब और कैसे करें सेवन

ऑस्टियोपोरोसिस एक ऐसी बीमारी है जिसमें हड्डियां अंदर से कमजोर हो जाती हैं और अपने आप टूटने लगती है। इस बीमारी की शुरुआत असल में तब होती है जब हड्डियों का घनत्व कम होने लगता है। ऐसी स्थिति में काजू खाना फायदेमंद हो सकता है और इसमें पाए जाने वाली कई चीजें हड्डियों को अंदर से सेहतमंद रखने में मदद कर सकती हैं। ये न सिर्फ हड्डियों का घनत्व बढ़ाते हैं बल्कि, ये कई चीजों को और बढ़ावा देते हैं जो कि हड्डियों के कामकाज को बेहतर बनाए रखने के लिए जरूरी है। तो, आइए जानते हैं ऑस्टियोपोरोसिस में काजू खाने के फायदे। ऑस्टियोपोरोसिस में काजू खाने के फायदे कई हैं। सबसे पहले तो ये कॉपर से भरपूर है जो कि बोन मिनरल डेंसिटी बढ़ाने के लिए जरूरी है। इसकी कमी से ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करने में मदद मिलती है और इस बीमारी से बचाव होता है। कैल्शियम और मैंगनीज से भरपूर काजू हड्डियों के लिए फायदेमंद है। काजू में मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों के निर्माण के लिए जरूरी है क्योंकि यह हड्डियों में कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। मैंगनीज, काजू में पाया जाने वाला एक अन्य खनिज है जो कि कॉपर के साथ मिलकर ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है। कॉपर हमारे शरीर के प्रमुख संरचनात्मक घटकों कोलेजन और इलास्टिन के रखरखाव में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दरअसल,जब शरीर में कॉपर की कमी होती है हड्डियों के टिशूज बहुत जल्दी खराब होते हैं। इससे कई प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं, जैसे जोड़ों का काम न करना। ऑस्टियोपोरोसिस में आपको काजू वाला दूध पीना चाहिए।

दिखने लगे शरीर में ये लक्षण तो बंद कर दें Vitamin C, ज्यादा सेवन हो सकता है नुकसानदेह!

विटामिन सी (vitamin c) सेहत के लिए कई प्रकार से जरूरी है। ये इम्यूनिटी बूस्टर है जो आपको कई बीमारियों से बचाता है। तो, ये स्किन के लिए भी जरूरी है जो कि लंबे समय तक आपके काम आ सकता है। पर ज्यादा विटामिन सी का सेवन फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। कैसे, जानते हैं विटामिन सी के इन नुकसानों (vitamin C side effects) के बारे में विस्तार से। क्योंकि ये विटामिन की अधिकता कई अंगों को प्रभावित कर सकती है और नुकसान की वजह हो सकती है। विटामिन सी ज्यादा होने से शरीर में उल्टी और डायरिया की स्थिति हो जाती है। दरअसल, विटामिन सी यानी एस्कॉर्बिक एसिड (ascorbic acid) एक पानी में घुलनशील विटामिन है। यह आपके शरीर को आयरन अवशोषित करने में भी मदद करता है। क्योंकि आपका शरीर विटामिन सी का निर्माण या भंडारण नहीं करता है, लेकिन जब आप इसका ज्यादा सेवन करने लगते हैं तो शरीर में ये डायरिया जैसी स्थिति का कारण बन जाती हैस जिससे उल्टी जैसी दिक्कत होती है। विटामिन सी का ज्यादा सेवन शरीर में एसिडिक जूस को बढ़ाता है जिससे सीने में जलन और सिर दर्द जैसी समस्या होने लगती है। इसकी वजह से पेट के लेयर्स को भी नुकसान होने लगता है जिससे दिक्कत और बढ़ जाती है। इससे आपको लंबे समय तक GERD (gastroesophageal reflux disease) की समस्या हो सकती है। पेट में अकड़न और दर्द के पीछे विटामिन सा की अधिकता हो सकती है। इसकी वजह से पाचन एंजाइम्स असंतुलित हो सकते हैं जिससे पेट में अकड़न व दर्द की समस्या बढ़ सकती है।

पैरों में दिखती हैं नीली-नीली नसें, जान लें क्या है ये बीमारी

कुछ लोगों के पैरों में नसें उभरने लगती है। इन उभरी हुई नसों का रंग नीला और बैंगनी दिखाई देने लगता है। इसे वेरिकोज वेन्स कहते हैं। ये समस्या शरीर के निचले हिस्से या पैरो की नसों में होती है। नसों में सूजन आ जाती है और रंग गहरा होने लगता है। इसकी वजह लंबे समय तक खड़े रहना या देर तक चलना होता है। इसलिए आप इस बीमारी के बारे में जान लें कि इसके लक्षण, कारण और इलाज क्या है? ज्यादा देर तक खड़े रहना- अगर आपकी ऐसी नौकरी या काम है जिसमें आपको ज्यादा देर तक खड़े रहना पड़ता है तो आपको ये समस्या हो सकती है। इसमें पैरो में सूजन आने लगती हैं।

ज्यादा वजन- ज्यादा वजह भी इस समस्या का कारण बन सकता है। अगर आपका वजन ज्यादा है और खड़े रहकर काम करते हैं तो इससे नसों पर दबाव पड़ता हैं, जिसकी वजह से ब्लड़ फ्लो धीमा हो जाता है और नसें सूज जाती हैं।

पैरो पर ज्यादा जोर पड़ना- जब पैरों या शरीर के निचले हिस्से पर ज्यादा जोर पड़ता हैं, तो खून जमने लगता है। ऐसी स्थिति में नसों में सूजन आने लगती है। हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा या प्रेगनेंट महिलाओं के साथ ऐसा हो सकता है।

अनुवांशिक कारण- कई बार ये बीमारी परिवार में किसी को होती है तो अगली पीढ़ी के लोगों में भी हो सकती है।

पैंक्रियाज में सूजन आने से हो सकते हैं डायबिटीज के शिकार

कुछ ऑर्गन ऐसे होते हैं जिनका फिटनेस टेस्ट करना तो दूर हमारा उसपर ध्यान तक नहीं जाता। ऐसा ही एक ऑर्गन है पैनक्रियाज जो बॉडी फंक्शन में अहम रोल प्ले करता है। इस ऑर्गन में गड़बड़ी आपको मोटापा और शुगर जैसी खतरनाक बीमारी का मरीज बना सकती है। पैंक्रियाज के दो जरूरी काम होते हैं,पहला पाचन दुरुस्त रखने के लिए एंजाइम रिलीज करना और दूसरा इंसुलिन हार्मोन बनाकर शरीर में शुगर लेवल कंट्रोल रखना। लेकिन जब गलत खानपान,गॉल ब्लैडर में स्टोन या बॉडी में ज्यादा कैल्शियम जमा होने की वजह से पैंक्रियाज में सूजन आ जाती है तो थकान, एसिडिटी, कब्ज और ओबेसिटी जैसी तमाम दिक्कतें होने लगती हैं। पैंक्रियाज में सूजन का सबसे ज्यादा असर ब्लड शुगर लेवल पर पड़ता है, क्योंकि पैंक्रियाज शरीर के लिए जरूरी इंसुलिन नहीं बना पाता और इंसुलिन की कमी से ब्लड में ग्लूकोज बढ़ने से मरीज डायबिटिक हो जाता है। यही नहीं अगर पैंक्रियाज में सूजन लगातार बनी रहे तो पैनक्रिएटिक कैंसर तक हो सकता है। इस कैंसर से दुनियाभर में हर 1 लाख लोगों में 12 लोग जान गंवा देते हैं। 80 से 85 फीसदी मरीज में पैनक्रिएटिक कैंसर का पता एडवांस स्टेज में जाकर चल पाता है, जिनमें करीब 15% लोग 4-5 साल से ज्यादा नहीं जी पाते।

सिर्फ एक कटोरी दलिया खाने से सेहत को मिलेंगे ताबड़तोड़ कई फायदे

दलिया एक ऐसा भोजन है जिसका सेवन स्वास्थ्य के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। विटामिन और प्रोटीन से भरपूर दलिया का सेवन करने से आप कई बीमारियों से दूर रहेंगे। किसी भी मोटे अनाज के दानेदार चूरे को दलिया कहते हैं । भारत में ज्यादातर दलिया गेहूं से बनाया जाता है लेकिन आप मक्का, ज्वार और बाजरा से भी दलिया बना सकते हैं। दलिया में मौजूद पोषक तत्व जैसी लो कैलोरी, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, थायमिन, फोलेट, पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, जिंक, मिनरल्स, विटामिन और आयरन आपको हेल्दी और स्वस्थ बनाते हैं। सिर्फ एक कटोरी दलिया का सेवन करने से आपकी सेहत को क्या क्या फायदे हो सकते हैं चलिए हम आपको बताते हैं। वजन होगा कमः अगर आपक वजन बहुत तेजी से बढ़ रहा है या काम नहीं हो रहा है तो अपनी डाइट में आप दलिया जरूर शामिल करें। दलिया फाइबर से भरपूर होता है और वजन को कम करने में मदद करता है। दरअसल इसके सेवन से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है।

डायबिटीज कंट्रोलः दलिया में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स पाया जाता है जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद है।

डायबिटीज में फायदेमंद है परवल की सब्जी, ब्लड शुगर और सूजन को करती है कम

आजकल परवल (Parwal) की सब्जी का सीजन है। मार्केट में आपको ये हरी सब्जी आसानी से मिल जाएगी। ज्यादातर लोग परवल की सब्जी खाना पसंद करते हैं। कुछ जगहों पर परवल को पटोल भी कहा जाता है। इसकी भुजिया या ग्रेवी वाली सब्जी बनाई जाती है। परवल में विटामिन ए, विटामिन बी1, विटामिन बी2 और विटामिन सी की अच्छी मात्रा पाई जाती है। परवल की सब्जी डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। इसे खाने से ब्लड शुगर को कम करने में मदद मिलती है। जानिए हरी परवल की सब्जी में कौन से गुण पाए जाते हैं और इसके फायदे क्या है?

डायबिटीज में फायदेमंद- परवल की सब्जी को डायबिटीज में फायदेमंद माना गया है। पटोल के पत्तों का साग या फिर सब्जी खाने से ब्लड शुगर लेवल कम होने लगता है और शरीर से सूजन भी घट जाती है।

पेट के लिए फायदेमंद- परवल खान से डाइजेस्टिव हेल्थ में सुधार आता है। परवल में भरपूर हेल्दी फाइबर होता है जिससे डाइजेशन मजबूत होता है। फाइबर की अच्छी मात्रा होने से कब्ज की समस्या से भी राहत मिलती है। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसऑर्डर में भी परवल खाने से फायदा मिलता है।

वजन घटाने में मदद- परवल ऐसी सब्जी है जो कैलोरी और फैट में लो है। वजन घटाने के लिए परवल का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें पाया जाने वाला फाइबर इंग्रीडिएंट वेट लोस जर्नी को आसान बनाता है और इसे खाने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है।

हार्ट के लिए फायदेमंद- हार्ट के लिए भी परवल फायेदमंद सब्जी है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट और पॉलीफेनॉल ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते है। इससे सूजन को कम किया जा सकता है। परवल पोटेशियम और मैग्नीशियम का अच्छा सोर्स है जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखता है।

परवल में मौजूद पोषक तत्व शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद हो सकते हैं। इसमें फाइबर के साथ विभिन्न विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं, इसलिए इसे संतुलित डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है। हालांकि किसी भी एक सब्जी को किसी बीमारी का इलाज मानने के बजाय इसे नियमित और विविध आहार के हिस्से के रूप में लेना बेहतर है। कुल मिलाकर, परवल एक कम कैलोरी और फाइबर युक्त सब्जी है, जिसे मौसम के दौरान अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। डायबिटीज, वजन या ब्लड प्रेशर जैसी स्थितियों में इसे संतुलित भोजन का हिस्सा बनाया जा सकता है, लेकिन किसी बीमारी के इलाज के लिए केवल परवल या इसके पत्तों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

केरल में BJP को बड़ा झटका, एक्टर देवन ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पद और पार्टी से दिया इस्तीफा

इस वक्त की बड़ी खबर केरल से सामने आ रही है, जहां राज्य में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। यहां एक्टर एस. देवन ने रविवार को कनाचिकुलंगरा देवी मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान केरल BJP के उपाध्यक्ष पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने मंदिर के कार्यक्रम में अपना भाषण खत्म करते हुए यह घोषणा की। इस कार्यक्रम में श्री नारायण धर्म परिपालन योगम के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन और BJP नेता बी. राधाकृष्ण मेनन भी मौजूद थे। बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देते हुए देवन ने कहा, "मैं जिस राजनीति में यकीन करता हूं, वह श्री नारायण गुरु के आदर्शों, सिद्धांतों और कार्यक्रमों पर आधारित है। केरल में बीजेपी से जुड़ने के बाद पिछले 5 सालों में मुझे एहसास हुआ है कि मैं उस रास्ते पर नहीं चल पाया। मुझे लगा कि मेरी राजनीतिक सोच अलग थी, और मुझे इसका पक्का यकीन हो गया। मैंने अपना इस्तीफा लिख दिया है और उपाध्यक्ष पद के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ रहा हूं।" सभा को संबोधित करते हुए देवन ने कहा कि उन्होंने 2004 और 2006 में चुनाव लड़ा था, लेकिन दोनों बार हार गए। हालांकि बीजेपी नेता बी. राधाकृष्ण मेनन ने देवन के इस्तीफे की घोषणा के लिए मंदिर के कार्यक्रम को चुनने पर नाराजगी जताई।

सीएम योगी की पाती, कहा- 'युवा शक्ति ही विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी, राष्ट्रनिर्माण में निभाएं भूमिका'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के नाम पाती लिखी है। सीएम योगी ने अपनी पाती में 'हर घर तिरंगा' यात्रा का जिक्र किया है। साथ ही युवा साथियों से कहा कि आत्मनिर्माण से राष्ट्रनिर्माण का महती दायित्व आपके कंधों पर है। आपकी ऊर्जा, प्रतिभा, अनुशासन एवं संकल्प से ही विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का लक्ष्य साकार होगा। यही युवा शक्ति उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है। सीएम योगी ने पाती में आगे लिखा, 'मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, उत्तर प्रदेश में पांच करोड़ घरों में तिरंगा फहराने के महायज्ञ की आज पूर्णाहुति हो रही है। 'हर घर तिरंगा' महा-अभियान में उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागी बने आप सभी प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रदेश का नवसामर्थ्य जब विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों के रूप में झलकता है, तो मन हर्षित हो उठता है।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पाती को शेयर करते हुए सीएम योगी ने लिखा, 'जब संकल्प का कोई विकल्प नहीं रह जाता, तभी असंभव लक्ष्य भी सिद्ध हो पाते हैं। स्वतंत्रता दिवस हमें सदैव उन वीरों के ऐसे ही संकल्पों का स्मरण कराता है, जो देश के लिए हंसते-हंसते शहीद हो गए। बाबू बंधू सिंह, खुदीराम बोस, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह एवं पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल' जैसे मां भारती के अनेक वीर सपूतों ने युवावस्था में ही अपना सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित कर दिया।' सीएम योगी ने कहा, 'किशोरावस्था और युवावस्था जीवन का एक स्वर्णिम दौर है। तरुणाई अंगड़ाई लेती है और सपने आकार लेते हैं। व्यक्तित्व का निर्माण होता है तथा कुछ कर गुजरने की लालसा बलवती होती है। यही समय तय करता है कि हमारी ऊर्जा और सामर्थ्य केवल हमारे अपने भविष्य को आकार देंगे या समाज और राष्ट्र के भविष्य को भी नई दिशा देंगे।' सीएम योगी ने कहा, 'हमारा गौरवशाली इतिहास ऐसे अनेक दृष्टांतों से परिपूर्ण है, जब भारतीय विभूतियों ने उम्र की सीमाओं से परे जाकर देश और दुनिया को मार्ग दिखाया। आदि शंकराचार्य ने अल्पायु में ही भारत की आध्यात्मिक चेतना को एक सूत्र में पिरो दिया। स्वामी विवेकानंद ने युवावस्था में ही भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति का संदेश विश्व मंच तक पहुंचाया। इनका जीवन सिखाता है कि उम्र छोटी हो सकती है, लेकिन संकल्प और सामर्थ्य बड़ा होना चाहिए।' सीएम योगी ने पाती में लिखा, 'जब में 26 साल की अवस्था में पहली बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुआ और सार्वजनिक जीवन का व्रत लिया, तब से अब तक मेरे सामने भी राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा के यहीं आदर्श सर्वोपरि रहे हैं। आज प्रदेश सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर प्रदान कर रही है। विगत साढ़े 9 सालों में शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार और खेल के क्षेत्र में अनेक अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

दिल्ली मेट्रो में महिला की तस्वीर खींच रहा था CISF जवान, मना करने पर की हाथापाई; सस्पेंड किया गया

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में CISF के एक जवान के द्वारा महिला की तस्वीर खींचने के बाद विवाद का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक महिला ने अपनी फोटो खींचने का विरोध किया, जिस पर जवान ने ऐसा कुछ भी होने से इनकार किया। हालांकि जब उसके फोन की गैलरी चेक की गई तो उसमें महिला की तस्वीरें मिली, जिसके बाद कोच में सवार अन्य लोग भी इस विवाद में शामिल हो गए और तस्वीरें डिलीट करने को कहने लगे। इस बात को लेकर अन्य लोगों के साथ जवान की हाथापाई भी हुई। फिलहाल CISF दिल्ली मेट्रो ने बताया कि संबंधित कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि दिल्ली मेट्रो के एक कोच में एक महिला ने पैरामिलिट्री फोर्स के एक जवान पर अपनी फोटो खींचने का आरोप लगाया। इसके बाद कोच में सवार अन्य लोगों के साथ उसकी हाथापाई हो गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह घटना दोपहर करीब 1 बजे AIIMS मेट्रो स्टेशन पर हुई, जब महिला ने कथित फोटो को लेकर जवान से सवाल-जवाब किया। CISF के एक अधिकारी ने बताया कि ASI रैंक के इस अधिकारी को जांच पूरी होने तक सस्पेंड कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जवान ने महिला की फोटो लेने से इनकार किया, लेकिन जब उसके मोबाइल फोन की गैलरी में महिला की फोटो मिलीं, तो कुछ यात्री भी बहस में शामिल हो गए। यात्रियों ने उससे फोटो डिलीट करने को कहा। बहस तब और बढ़ गई जब जवान कोच से बाहर निकलने की कोशिश करने लगा और कुछ यात्रियों ने उसे रोक लिया, जिससे हाथापाई हो गई। वहीं इस पूरी घटना पर CISF दिल्ली मेट्रो ने भी एक बयान जारी किया है। जारी बयान में कहा गया, "मेट्रो ट्रेन में एक महिला यात्री के साथ CISF के एक कर्मचारी द्वारा कथित दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। CISF ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है और मामले को उच्च

स्तर पर देखा जा रहा है। संबंधित कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है और विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के नतीजों के आधार पर आगे उचित कार्रवाई की जाएगी।" इस बहस का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि पुलिस इस पूरी घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभी तक किसी ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। घटना के बाद मेट्रो कोच में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। महिला के आरोप और मोबाइल फोन की गैलरी में उसकी तस्वीरें मिलने के बाद यात्रियों ने जवान से सवाल किए। यात्रियों की ओर से तस्वीरें हटाने की मांग किए जाने पर विवाद और बढ़ गया। इसी दौरान जवान और कुछ यात्रियों के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई की स्थिति बन गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों ने घटना को गंभीरता से लिया। CISF की ओर से संबंधित ASI को जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

यूपी-बिहार-झारखंड समेत 10 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में आज भी झमाझम बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग (IMD) ने सोमवार को देश के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा में बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके असर से अगले 2 दिनों में गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मानसून ट्रफ़ (monsoon trough) के अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर होने के कारण उत्तर प्रदेश में अगले 3-4 दिनों तक कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। अगले 2-3 दिनों में असम, मेघालय समेत पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश होने की संभावना है।

'माफी मांगे कांग्रेस नेतृत्व', रविशंकर प्रसाद ने वंदे मातरम् के अपमान पर सोनिया गांधी को घेरा

जिस तरीके से स्वतंत्रता दिवस के दिन कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम् के गायन पर विवाद को लेकर घमासान हो रहा है, उसके बाद से बीजेपी, कांग्रेस पर लगातार हमलावर नजर आ रही है। इस बीच, BJP सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वंदे मातरम् का अपमान लगातार कांग्रेस नेतृत्व की तरफ से किया जा रहा है। नक्सलवाद और दिमागी नक्सलियों की बात पर भी रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस को घेरा। जानें रविशंकर प्रसाद ने क्या-क्या कहा। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पत्रकारों को याद दिलाना चाहेंगे कि मनमोहन सिंह की सरकार में माओवादियों ने 76 बीएसएफ और सीआरपीएफ के जवानों का कत्ल किया था तो इन्होंने कहा कि मैं बातचीत करने को तैयार हूं। और जेएनयू में एक कार्यक्रम हुआ था जहां, जिन लोगों ने हमला किया था उनके स्वागत की योजना थी। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद बोले कि वंदे मातरम् वाले मामले की बात करें तो सोनिया गांधी वीडियो में चिल्लाती दिख रही हैं कि सिर्फ एक स्टैंजा गाना था, ये पूरा क्यों गा रहे हैं। तो जब चोरी पकड़ी गई, उनकी डांट भी पकड़ी गई, तो कहा जा रहा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी की व्यवस्था की जा रही थी। लेकिन वो कुर्सी कहीं दिखाई नहीं पड़ रही है। रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि जो पार्टी आजादी के आंदोलन की अगुवाई की बात करती है, उसका आज का नेतृत्व वंदे मातरम् का तिरस्कार करे, इससे बड़ी घृणित बात कोई नहीं हो सकती है। उनको माफी मांगनी चाहिए। इसका कोई जस्टिफिकेशन नहीं है। गौरतलब है कि वंदे मातरम् के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने भी सोनिया गांधी को लेटर लिखकर वंदे मातरम् के गाने को लेकर हुए विवाद पर अपना दुख जताया है। अपने खत में सुमित्रो चटर्जी ने वंदे मातरम् गाने में रुकावट डालने की कोशिश की "ऐतिहासिक गलती को बेशर्मी से दोहराना" बता दिया है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् देश के स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय चेतना से गहराई से जुड़ा हुआ है। ऐसे में इसके गायन को लेकर किसी भी प्रकार की आपत्ति या व्यवधान को लेकर लोगों की भावनाएं स्वाभाविक रूप से जुड़ जाती हैं। उन्होंने कांग्रेस के पुराने रुख और माओवादी हिंसा से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए पार्टी की नीतियों पर सवाल उठाए।

हरसिमरत कौर ने की सुखबीर बादल पर हमले की NIA जांच की मांग, गृह मंत्री अमित शाह को लिखी चिट्ठी

हरसिमरत कौर ने अमित शाह को खत लिखकर SAD चीफ सुखबीर सिंह बादल पर हुए अटैक की NIA जांच की डिमांड की है।

शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर महाराष्ट्र के नांदेड में SAD चीफ सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की NIA जांच की मांग की है। हरसिमरत कौर ने लिखा कि 2024 में भी सुखबीर बादल पर जानलेवा हमला हुआ था। दो बार हत्या की कोशिश बेहद चिंताजनक है। साथ ही आशंका जताई है कि यह हमला किसी गहरी अंतर-राज्यीय या अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा भी हो सकता है, जिसकी जांच होनी चाहिए। दोनों हमले पवित्र गुरुघरों में तब हुए जब एक समर्पित सिख धार्मिक सेवा में लगा हुआ था।

पंजाब पुलिस और पंजाब सरकार को कई प्रश्नों के उत्तर देने होंगे क्योंकि दोनों हमलों के बीच एक स्पष्ट पैटर्न दिखाई देता है।

बार-बार हो रहे इन हमलों का उद्देश्य दुनिया भर में पंजाब की छवि को नुकसान पहुंचाना और सिख समुदाय को बदनाम करना लगता है।

हरसिमरत कौर ने आगे लिखा कि इन हमलों की गंभीरता, पैटर्न और हालात को देखते हुए NIA से गहन जांच की जरूरत है। हरसिमरत कौर बादल ने अपने पति और पार्टी चीफ सुखबीर सिंह बादल पर हुए अटैक पर बीते शनिवार को भी बात की। हरसिमरत कौर ने इसे "सुनियोजित राजनीतिक साजिश" बताते हुए कहा कि इसके पीछे जो भी है, उसको सिख नहीं कह सकते। बता दें कि महाराष्ट्र के नांदेड़ के बाहरी इलाके में मौजूद एक गुरुद्वारे के भीतर बीते गुरुवार को निहंग समुदाय के एक सदस्य ने 'कृपाण' से सुखबीर बादल पर हमला कर दिया था। इस अटैक में सुखबीर बादल के दाहिने हाथ में चोटें आई थीं। इस हमले के बाद हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया था। गौरतलब है कि पंजाब के खन्ना में गोवा मुक्ति आंदोलन के नेता करनैल सिंह इसरू की याद में हुए कार्यक्रम में भाषण देते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल अपने पति पर हुए अटैक का जिक्र करते हुए इमोशनल हो गई थीं। हरसिमरत कौर ने कहा, "मुझे माफ करें, मैं आज बहुत इमोशनल हूं क्योंकि पिछले 48 घंटे मेरे और मेरी फैमिली के लिए बहुत मुश्किल रहे हैं। आज मुझे यहां नहीं होना था, सुखबीर बादल को यहां होना था। लेकिन देखिए उनके साथ क्या हुआ।" हरसिमरत कौर ने गृह मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि सुखबीर सिंह बादल पर लगातार दो बार हुए हमलों को केवल अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक, दोनों घटनाओं में कुछ समान परिस्थितियां नजर आती हैं और इसी वजह से इसकी व्यापक जांच जरूरी है। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों के स्तर पर मामले की पड़ताल कराए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दोनों हमले ऐसे समय और स्थान पर हुए, जब सुखबीर सिंह बादल धार्मिक सेवा से जुड़े दायित्व निभा रहे थे। ऐसे में घटनाओं की गंभीरता और संवेदनशीलता और बढ़ जाती है। हरसिमरत कौर ने आशंका जताई कि हमलों के पीछे किसी बड़े नेटवर्क या साजिश की भूमिका हो सकती है और इसकी जांच के लिए सभी संभावित पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए। हरसिमरत कौर ने पंजाब पुलिस और राज्य सरकार से भी सवाल किए हैं।

बारिश के बीच अचानक धंस गया नेशनल हाईवे का बड़ा हिस्सा, तीन ट्रक खाई में समा गए

ओडिशा के केंद्रापड़ा जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर बड़ा हादसा हो गया। पारादीप-चण्डीखोल के बीच मार्शाघाई के नीलाचल बाजार के पास हाईवे का हाल ही में बनाया गया हिस्सा अचानक धंस गया। सड़क धंसने के बाद वहां से गुजर रहे तीन ट्रक पलट गए और सड़क किनारे की जमीन की ओर जा गिरे। घटना के समय हाईवे पर निर्माण कार्य भी चल रहा था। सड़क का नया हिस्सा धंसने के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई और इस हिस्से से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के बीच नीलाचल बाजार के पास NH-53 के नए बने हिस्से में अचानक धंसाव शुरू हुआ। देखते ही देखते सड़क का एक हिस्सा नीचे बैठ गया। मौके से सामने आई तस्वीरों में सड़क के धंसे हुए हिस्से को देखा जा सकता है। सड़क के नीचे की जमीन भी प्रभावित दिखाई दे रही है। इसी दौरान तीन ट्रक असंतुलित होकर पलट गए और सड़क के किनारे जा गिरे। जिस हिस्से में सड़क धंसी, वहां हाईवे का निर्माण कार्य चल रहा था। सड़क का हिस्सा नया बनाया गया था और निर्माण से जुड़े काम जारी थे। लगातार बारिश के बीच सड़क के अचानक धंसने से हाईवे की मजबूती और निर्माण की स्थिति को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

हैदराबाद की यूनिविर्सिटी में NSUI-ABVP में झड़प, 7 छात्र घायल; पुलिस ने दोनों ग्रुप्स के खिलाफ दर्ज किया केस

तेलंगाना के हैदराबाद में इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी (EFLU) कैंपस में NSUI और ABVP से जुड़े स्टूडेंट्स के बीच झड़प हो गई, जिसमें कम से कम 7 स्टूडेंट घायल हो गए। इस मामले पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। बता दें कि यह झड़प बीते 14 अगस्त को हुई थी। इससे एक दिन पहले ABVP से जुड़े स्टूडेंट्स ने महिला हॉस्टल में विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके दौरान दोनों स्टूडेंट्स ग्रुप्स के कार्यकर्ताओं के बीच बहस हुई थी। NSUI ने ABVP सदस्यों पर आरोप लगाया कि उन्होंने एक स्टूडेंट के खिलाफ जातिसूचक टिप्पणियां कीं और EFLU छात्र संघ के उपाध्यक्ष के साथ मारपीट की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ABVP मेंबर्स के एक ग्रुप ने उनके सदस्यों पर लाठियों और कांच की बोतलों से अटैक किया, जिससे कई छात्र गंभीर तौर पर घायल हो गए। हालांकि, ABVP की EFLU यूनिट के मुताबिक, बीते 13 अगस्त को एक वार्डन ने हॉस्टल में रहने की इजाजत मांगने वाली 2 छात्राओं से बदतमीजी से बात की और उनके बारे में कुछ आपत्तिजनक बातें कही थीं। ABVP का दावा है कि उसके मेंबर्स ने यह मुद्दा उठाया और स्टूडेंट्स के समर्थन में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन किया। साथ ही, ABVP ने हॉस्टल में बुनियादी सुविधाओं जैसे- साफ वॉशरूम और पीने के सुरक्षित पानी को लेकर भी चिंताएं जाहिर कीं। ABVP का आरोप है कि विरोध प्रदर्शन में NSUI के मेंबर्स ने बहस और अपशब्दों का प्रयोग कर शांतिपूर्ण प्रदर्शन में बाधा डालने का प्रयास किया।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415